फाल्गुन कृष्ण - 9 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 207 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 21-02-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भविष्य के लिए अच्छी योजनाएं जरूरी, अन्यथा बेंगलूरु के साथ अन्याय होगा : डीके शिवकुमार

6 मातृभाषाएं संवारती हैं संस्कार और संस्कृति

7 नब्बे के दशक में बंधक ड्रामा फिल्मों की जान हुआ करती थी : करुणा पांडे

फर्स्ट टेक

सोनिया गांधी गंगाराम अस्पताल में भर्ती : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को यहां सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि 78 वर्षीय सोनिया की हालत ठीक है और शुक्रवार को उन्हें छुट्टी दी जा सकती है। एक सूत्र ने बताया कि कांग्रेस नेता को बृहस्पतिवार सुबह भर्ती कराया गया। सूत्र ने बताया कि वह चिकित्सकों की एक टीम की निगरानी में हैं।

नीति आयोग के सीईओ सुब्रह्मण्यम को एक साल का सेवा विस्तार मिला

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी वी आर सुब्रह्मण्यम का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। कार्मिक मंत्रालय ने एक आदेश में यह जानकारी दी। छत्तीसगढ़ कैडर के 1987 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी सुब्रह्मण्यम को फरवरी, 2023 में दो साल के लिए इस पद पर नियुक्त किया गया था। आदेश में कहा गया कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने नीति आयोग के सीईओ के रूप में सुब्रह्मण्यम के कार्यकाल को 24 फरवरी, 2025 से आगे एक साल के लिए बढ़ाने को मंजूरी दी है।

उपमुख्यमंत्री शिंदे की कार को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जांच शुरू

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस को बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कार को उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, शिंदे की कार को बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल सुबह गोरेगांव और जे जे मार्ग पुलिस थानों में मिले, जिसके बाद मामले की जांच शुरू हुई। अधिकारी ने बताया, प्रेषक के 'आईपी एड्रेस' पर नजर रखी जा रही है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहले कहा था कि एक धमकी भरा फोन आया था।

आईफोन 16ई को भारत में ही असेंबल करेगी एप्पल

नई दिल्ली/भाषा। एप्पल अपनी नई श्रृंखला आईफोन-16ई को भारत में असेंबल कर रही है। ये फोन घरेलू बिक्री के साथ-साथ कुछ चुनिंदा देशों को निर्यात भी किए जाएंगे। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने आईफोन 16 सीरीज के मुकाबले आईफोन 16ई को कम दाम में पेश किया है, जिसकी बिक्री भारत में 28 फरवरी से शुरू होगी।

21-02-2025 सूर्यास्त 6:27 बजे | 22-02-2025 सूर्योदय 6:39 बजे

BSE	NSE
75,735.96	22,913.15
(-203.22)	(-19.75)

सोना	चांदी
8,919 रु.	98,743 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सत्ता का पत्ता

कर देंगे हल सारे मसले,
बोले दे दो बस सत्ता।
सत्ता पाने बाद दिखाते,
वे जनता को अब धत्ता।
धत्ता देते ठस बयान दे,
ना खोले अपना पत्ता।
पत्ता छोड़ो दिखा न पाए,
पपलू तक भी अलबत्ता।।

रेखा गुप्ता बनीं दिल्ली की नौवीं मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। छात्र जीवन से राजनीति में कदम रखने वाली एवं पहली बार की विधायक रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली और फिर कार्यभार संभालते ही कहा कि वह 'विकसित दिल्ली' के 'मिशन' को साकार करने में एक भी दिन बर्बाद नहीं करेगी और नई सरकार राजधानी की जनता से किए गए सभी वादों को पूरा करेगी।

करीब 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी करने वाली भाजपा सरकार में गुप्ता के साथ छह विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। राष्ट्रीय राजधानी के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) की पूर्व अध्यक्ष रेखा गुप्ता ने दिल्ली की नौवीं मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। साथ ही, आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल को हराने वाले प्रवेश वर्मा, भाजपा का पंजाबी चेहरा आशीष सूद, पार्टी का सिख चेहरा मनजिंदर सिंह सिरसा, कट्टर हिन्दू की छवि वाले कपिल मिश्रा, अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखने वाले रविंद्र इंद्राज और पूर्वांचली चेहरा पंकज कुमार सिंह ने नई मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में शपथ ली।

सिरसा को छोड़कर अन्य सभी मंत्रियों ने हिंदी में शपथ ली।

सुषमा स्वराज, कांग्रेस की शीला दीक्षित और आम आदमी पार्टी की आतिशी के बाद गुप्ता दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री हैं। वह मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और सुषमा स्वराज के बाद दिल्ली में भाजपा की चौथी मुख्यमंत्री हैं। इसके साथ ही वह, वर्तमान में भाजपा शासित किसी भी राज्य में एकमात्र महिला मुख्यमंत्री हैं।

वर्तमान में, पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बाद वह देश में दूसरी महिला मुख्यमंत्री हैं।

विजेंद्र गुप्ता दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए भाजपा के उम्मीदवार

नई दिल्ली/भाषा। रोहिणी से विधायक विजेंद्र गुप्ता को दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का उम्मीदवार नामित किया गया है। पार्टी नेताओं ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। गुप्ता ने पार्टी द्वारा उन्हें विधानसभा के अध्यक्ष पक्ष के लिए नामित किए जाने की पुष्टि करते हुए 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैं सबसे पहले उन कैग रिपोर्ट को सदन में पेश करूंगा, जिन्हें पिछली 'आप' (आम आदमी पार्टी) सरकार ने लंबित रखा था।'' रोहिणी से तीसरी बार विधायक चुने गए सिंह ने अन्य भाजपा विधायकों के साथ मिलकर अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

'लाल आंख की बजाय लाल सलाम' की चीन नीति अपना रही है सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि लाल आंख दिखाने की बात करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर बढ़ रही चीनी गतिविधियों को लेकर चुप्पी साधे हैं और 'लाल आंख की बजाय लाल सलाम' की नीति अपनाई जा रही है।

खरगे ने प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए ट्वीट करके कहा, नरेन्द्र मोदी जी, आप चीन को 'लाल आंख' दिखाने के बजाय 'लाल सलाम' की नीति अपना रहें हैं। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा,भौगोलिक संप्रभुता एवं अखंडता सर्वोपरि है लेकिन मोदी सरकार इसे ख़तरे में डाल रही है। हमारा आरोप बड़ी ज़िम्मेदारी के साथ और तथ्यों के आधार पर है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया,चीन ने अरुणाचल के बॉर्डर पर 90 नए गाँव बसाने शुरू कर दिए हैं, पहले हमारी सीमा पर 628 ऐसे गाँव चीन बसा चुका है, ऐसा समाचार पत्रों का कहना है। मोदी सरकार सीमा पर 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' का ख़ूब प्रचार करती है, संसद में आपने ख़ूब बढ़ा-चढ़ाकर इसका बखान किया है। लेकिन सच्चाई यह है कि पिछले दो वर्षों में 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' का 90 प्रतिशत फंड खर्च नहीं हुआ है। ये योजना फ़रवरी 2023 में लॉन्च की गई थी और 4800 करोड़ रुपए आवंटित फंड में से केवल 509 करोड़ रुपए ही ख़र्च हुए हैं।

झारखंड बोर्ड:

दसवीं कक्षा के हिंदी, विज्ञान के प्रश्नपत्र लीक होने के बाद परीक्षा रद्द

रांची/भाषा। झारखंड शैक्षणिक परिषद (जेएसी) ने 10वीं कक्षा की हिंदी और विज्ञान विषय के प्रश्नपत्र कथित तौर पर लीक हो जाने और सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद, दोनों विषयों की परीक्षा रद्द कर दी है। हिंदी की परीक्षा 18 फरवरी को आयोजित की गई थी, जबकि विज्ञान की परीक्षा 20 फरवरी को होनी थी। परिषद ने एक नोटिस में कहा, ''सभी छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों, संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों, परीक्षा केंद्र अधीक्षकों और अधिकारियों को सूचित किया जाता है कि सोशल मीडिया और समाचार पत्रों के माध्यम से प्राप्त जानकारी के आधार पर, 18 फरवरी को पहली पाली में हुई हिंदी (पाठ्यक्रम ए और पाठ्यक्रम बी) की परीक्षा और 20 फरवरी को पहली पाली में प्रस्तावित विज्ञान विषय की परीक्षा को रद्द किया जाता है।'' परिषद ने यह भी बताया कि इन विषयों की पुनर्परीक्षा बाद में आयोजित की जाएगी। राज्य स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''प्रश्नपत्र लीक की सूचना कोडरमा से आई है। जेएसी ने इस संबंध में कोडरमा के उपायुक्त से 24 घंटे में रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।''

केसीआर पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले व्यक्ति की हत्या

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) और अन्य के खिलाफ कालेश्वरम परियोजना के तहत मेदिगड्डा बैराज के निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाने वाले व्यक्ति की जयशंकर भूपलपल्ली शहर में हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस घटना ने राज्य में राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया गया। मृतक के परिजनों और तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने हत्या के लिए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि, बीआरएस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

'सांस्कृतिक विरासत का प्रामाणिक स्तंभ है भाषा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को कहा कि भाषा साहित्य से परे है क्योंकि यह समसामयिक परिदृश्य को परिभाषित करती है और यदि भाषा नहीं पनपेगी तो इतिहास भी नहीं पनपेगा।

धनखड़ ने 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन की पूर्व संध्या पर यहां उप राष्ट्रपति निवास में एक प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कहा कि किसी क्षेत्र को जीतने का सबसे अच्छा तरीका यह नहीं है कि उस पर भौगोलिक रूप से कब्ज़ा करके उसकी संस्कृति पर कब्ज़ा कर लिया जाए और उसकी भाषा को नष्ट कर दिया जाए।

उन्होंने कहा कि करीब 1200-1300 साल पहले, जब सब कुछ उत्थान पर था और सब ठीक चल रहा था। दुनिया भारत की ओर देख रही थी। भारत ज्ञान का भंडार था। नालंदा और तक्षशिला जैसी संस्थाएं भारत में थी।

कार्यक्रम में धनखड़, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती डॉ. सुदेश धनखड़, वरिष्ठ राज्यसभा सांसद शरद पवार, लोकसभा सांसद श्रीमती सुप्रिया सुले, अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन महामंडल की अध्यक्ष प्रोफेसर उषा तांबे और सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. तारा भावकर आदि मौजूद रहे।

धनखड़ ने कहा, फिर आक्रमणकारी आए, वे हमारी भाषा, संस्कृति, और धार्मिक स्थानों के लिए बहुत दमनकारी एवं क्रूर थे। उस समय बर्बरता और प्रतिहिंसा चरम सीमा पर थी। आक्रमणकारियों ने हमारे दिल पर चोट करने के लिए, हमारे धार्मिक स्थान के ऊपर ही अपना स्थान बना दिया। आक्रान्ताओं ने हमारी भाषाओं को कुंठित कर दिया।

उन्होंने कहा कि यदि हमारी भाषा नहीं पनपेगी तो इतिहास भी नहीं पनपेगा। किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी उसकी सांस्कृतिक विरासत है और इन सबमें भाषा सबसे प्रामाणिक स्तंभ है।

धनखड़ ने कहा , भाषा साहित्य से परे है क्योंकि वह साहित्य समसामयिक परिदृश्य, तत्कालीन परिदृश्य, तत्कालीन चुनौतियों को परिभाषित करता है और यह ज्ञान और बुद्धिमत्ता पर भी ध्यान देता है।

अगर मस्क भारत में टेस्ला की फैक्टरी शुरू करते हैं तो यह अमेरिका के प्रति अन्याय होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर एलन मस्क की टेस्ला कंपनी भारत के शुल्क से बचने के लिए वहां फैक्टरी का निर्माण करती है, तो यह अमेरिका के प्रति अन्याय होगा।

ट्रंप की यह टिप्पणी शुल्क में उल्लेखनीय वृद्धि करने के उनके बयानों के बीच आई है।

अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक से कुछ घंटे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की थी।

हाल में 'फॉक्स न्यूज' के सीन हैनिटी के साथ साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि उनकी बैठक के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि भारत दुनिया में सबसे अधिक शुल्क वसूलता है।

ट्रंप ने कहा कि मस्क के लिए भारत में कार बेचना ''असंभव'' है। उन्होंने कहा, ''दुनिया का हर देश हमारा फायदा उठाता है और वे शुल्क लगाकर ऐसा करते हैं... उदाहरण के लिए भारत में व्यावहारिक रूप से कार बेच पाना असंभव है।''

ट्रंप ने साक्षात्कार में कहा, ''अगर वह (मस्क) भारत में फैक्टरी बनाते हैं तो ठीक है, लेकिन यह हमारे साथ अन्याय होगा। यह बहुत अनुचित है।''

सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के प्रमुख मस्क भी इस साक्षात्कार के दौरान मौजूद थे।

कुछ दिन पहले इलेक्ट्रिक कार निर्माता 'टेस्ला' ने भारत में विभिन्न पदों के लिए भर्ती निकाली थी, जिसमें 'बिजनेस ऑपरेशन एनालिस्ट' और 'कस्टमर सपोर्ट स्पेशलिस्ट' शामिल हैं।

गिल का नाबाद शतक, भारत ने बांग्लादेश को छह विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एजेन्सी। मोहम्मद शमी (पांच विकेट) और हर्षित राणा (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद शुभमन गिल (नाबाद 101) के शतक, केएल राहुल (नाबाद 41) और रोहित शर्मा (41) रनों की बेहतरीन पारियों की बदौलत भारत ने गुरुवार को चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे मुकाबले में 21 गेंदें शेष रहते बांग्लादेश को छह विकेट से हरा दिया।

बांग्लादेश के 228 रन के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारत की कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 69 रन जोड़े। 10वें ओवर में तसकीन अहमद ने रोहित शर्मा को आउट कर बांग्लादेश को पहली सफलता दिलाई। रोहित शर्मा ने 36 गेंदों में सात चौकों की मदद से (41) रनों की पारी खेली। विराट कोहली (22), श्रेयस अय्यर (15) और अक्षर पटेल (आठ) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये के एल राहुल ने शुभमन गिल से पारी को संभाला। शुभमन गिल ने 129 गेंदो में नौ चौके और दो छक्कों की मदद से (नाबाद 101) रनों की पारी खेली। के एल राहुल ने 47 गेंदों में एक चौके और दो छक्का लगाते हुए (नाबाद 41) रन बनाये। के एल राहुल ने तनजीम हसन साकिब की गेंद पर छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई।

केन्द्रीय विद्यालय रेल पहिया कारखाना
KENDRIYA VIDYALAYA, RAIL WHEEL FACTORY
शिक्षा मंत्रालय के तहत, भारत सरकार
येलहंका न्यू टाउन, बेंगलुरू - 560 064.
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
तत् त्वं पूषन् अपावृणु
Azadi Ka Amrit Mahotsav
FIT INDIA FREEDOM RUN 2.0
Phone : 080-28460979 (O), Fax No.: 080-28566968, E-Mail : kvrwf123@gmail.com, Website : https://wapyelahanka.kvs.ac.in

प्रत्यक्ष साक्षात्कार

वर्ष 2025-26 के लिए पूर्णतः संविदा आधार पर
शिक्षकों के साक्षात्कार किए जाएंगे ।

दिनांक	पद
24 फरवरी 2025	स्नातकोत्तर शिक्षक : (हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, रसायन शास्त्र, भौतिकी, जीव विज्ञान, संगणक विज्ञान, योग) एवं संगणक प्रशिक्षक. प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक : हिन्दी, अंग्रेजी, सामाजिक अध्ययन गणित, विज्ञान, एवं संस्कृत.
27 फरवरी 2025	प्राथमिक शिक्षक, खेल प्रशिक्षक (पुरुष एवं महिला), स्टाफ नर्स, कन्नड़ शिक्षक, शैक्षिक परामर्शदाता (Education Counsellor), विशेष शिक्षक (Special Educator), नृत्य शिक्षक, बालवाटिका शिक्षक, बालवाटिका देखभालकर्ता एवं योग अध्यापक.

साक्षात्कार हेतु 10:00 बजे आवश्यक प्रमाण पत्र के प्रतियों के एक सेट और प्रासंगिक मूल दस्तावेजों के साथ विद्यालय में उपस्थित हों । संबंधित पद हेतु योग्यता, अन्य जानकारी एवं आवेदन पत्र डाउन लोड करने के लिए कृपया वेबसाइट देखें : https://wapyelahanka.kvs.ac.in

एक से अधिक पद हेतु अलग-अलग आवेदन प्रपत्र समस्त दस्तावेज़ों के साथ प्रस्तुत करें ।

प्रत्यक्ष साक्षात्कार हेतु कोई TA/DA का भुगतान नहीं होगा ।

सही /- प्राचार्य

जीतो केकेजी जोन की सरकार से मांग

'आगामी बजट में जैनों के विकास पर भी सरकार का ध्यान केंद्रित हो'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में बसे जैन समाज की आर्थिक, सामाजिक, व्यावहारिक व धार्मिक जरूरतों की उचित भरपाई हेतु प्रावधानों को राज्य सरकार के अगले बजट में सम्मिलित करवाने की मांग की सूची लेकर जीतो केकेजी जोन के अध्यक्ष प्रवीण बाफना के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने कर्नाटक अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष यू. निसार अहमद से भेंट की। प्रवीण बाफना ने अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष से अनुरोध किया कि सबसे पहले जैन समाज आर्थिक रूप से संपन्न है जैसी दिमाग़ में रची बसी मान्यता को बाहर निकालते हुए जैनोत्थान हेतु आने वाले बजट में जैन विकास निगम गठन की बात मुख्यमंत्री तक पहुँचाए। उन्होंने साथ ही अनुरोध किया कि इस निगम में जैनों के विकास हेतु 200 करोड़ रुपयों का भी प्रावधान रखा जाए। जोन महामंत्री दिलीप जैन ने निसार अहमद से अनुरोध किया कि कर्नाटक में 1500 से 2000 वर्ष पुराने जैन तीर्थ व मंदिर है जो ऐतिहासिक महत्व भी रखते है, सरकार को ऐसे स्थलों को उसी रूप में सहेंजते हुए पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित करे। जीतो केकेजी जोन के अल्पसंख्यक योजना संयोजक सिद्धार्थ बोहरा ने जीतो द्वारा समाज हित में संचालित योजनाओं का विवरण रखा। उन्होंने जैन विद्यार्थियों के लिए अलग से हॉस्टल, जैनों के कौशल विकास हेतु सामुदायिक भवन, पैदल विहारी धर्म गुरुओं के लिए विहार धाम, जैन उद्योगपतियों के लिए औद्योगिक ज़मीन में आरक्षण एवं प्रत्येक जिले की अल्पसंख्यक समितियों में जैनो की नियुक्ति जैसी लंबित मांगों को पूर्ण कराने का अनुरोध किया। निसार अहमद ने जीतो प्रतिनिधि मंडल से कहा कि वैसे तो अन्य अल्पसंख्यक जातियों की तरह जैनों को भी राज्य सरकार द्वारा अनेकों योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है फिर भी जैनोत्थान हेतु समयानुसार उठ रही अन्य मांगों को वो सरकार तक पहुंचाकर उन माँगों के क्रियान्वयन का अनुरोध भी रखेंगे। इस अवसर पर जीतो केकेजी जोन कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन, सीएफई योजना संयोजक नितिन प्रकाश कटारिया आदि भी मौजूद थे।

'विकृतियों से बचना चाहिए और प्रकृति की ओर लौटना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा/भद्रावती।गुरुवार को होसदुर्गा-हिरियूर की पदयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आने वाले बीस-पच्चीस वर्ष बहुत महत्वपूर्ण हैं। ये आध्यत्म और भौतिकवाद के बीच के कड़े संघर्ष के हैं। यह निर्णायक कालखंड निर्धारित करेगा कि प्रकृति, प्राणीजगत और मनुष्यजाति का भविष्य क्या होगा ? या तो मनुष्यजाति प्रकृति की ओर वापस लौटेगी अथवा व्यापक विनाश के बाद उजड़ी हुई प्रकृति और हड्डियों के ढेर बचेंगे। जो परिवर्तन पिछले सौ-दो सौ वर्षों में हुआ है, वैसा शायद हजारों-लाखों वर्षों में भी नहीं हुआ। विज्ञान और तकनीकी विकास के नाम पर हम उस मोड़ पर आ गए हैं, जहां आगे मार्ग पूरा हो रहा है और गहरी खाई है। सभ्यताओं का विकास और तकनीकी युग तो अतीत के इतिहास में भी रहा है। मनुष्य की बौद्धिक प्रतिभा कोई इसी युग की देन नहीं है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि प्रकृति के साथ प्राणीजगत का गहरा संबंध है। बिना प्रकृति के जीवन जीना असंभव है। ज्यों-ज्यों मनुष्य प्रकृति से टूटता है, त्यों-त्यों वह विकृतियों का भोग बनता जाता है। आज प्राकृतिक संपदा भी नष्ट हो रही और मनुष्य का प्राकृतिक जीवन भी नष्ट हो रहा। इस प्रकार जीवन विकृतियों से भरकर दुःखदायी बन रहा। यह सांस्कृतिक पतन सुख-शांति को भी विनष्ट कर रहा। अध्यात्म की अभिरुचि हमारी प्रकृति है। आध्यत्म से विमुख बनना विकृति है। संसार के दलदल में रहते हुए भी सदाचारी जीवनयापन करने का पुरुषर्थ करना संस्कृति है। जीवन के ये तीन स्वरूप हैं। प्रकृति हमारी जड़ें हैं। संस्कृति उसके फल हैं। जो जड़ों से टूट जाता है, वह कभी फलदायी नहीं बन सकता। उभरानी रिजर्व फारेस्ट की पदयात्रा के दौरान प्रकृति के सान्निध्य में संतजनों ने दो दिन बिताए। इस दौरान उन्होंने प्रकृति और आध्यत्म के संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रकृति के बिना साधना नहीं होती। यही कारण है कि तीर्थस्थलियां पहाड़ों पर अथवा नदियों के तट पर होती हैं। ध्यान, मंत्रजाप और योग साधना के लिए पहाड़, गिरिकंदराएं, गुफाएं, नदी अथवा सरोवर के तट चुंबकीय ऊर्जा के उद्गमस्थल होते हैं। वहां प्राकृतिक ऊर्जा का आत्मशक्तियों के साथ संक्रमण होता है। वह आध्यात्मिक अनुभूति विवेचना से परे हैं। यही वजह थी कि साधु-संत, ऋषि-मुनि, फ़क़ीर, सूफ़ी संत और साधक सांसारिक समाज से दूर प्रकृति के सान्निध्य में निवास करते थे।

केन्द्रीय हिन्दी संस्था में प्रथम हिंदी भाषा संचेतना शिविर का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु । केंद्रीय हिंदी संस्थान केंद्र द्वारा टेरेसियन कॉलेज के स्नातक स्तरीय विद्यार्थियों हेतु आयोजित 12 दिवसीय प्रथम हिंदी भाषा संचेतना शिविर का उद्घाटन किया गया। शिविर के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान के निदेशक प्रो.सुनील बाबूराव कुलकर्णी ने की। उन्होंने हिंदी संचेतना शिविर के उद्देश्य एवं लाभ के बारे में प्रतिभागियों को बताया। शिविर के संयोजक एवं मैसूरु केंद के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रणजीत भारती ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत एवं केंद्र का परिचय करवाया। सत्र के विशिष्ट अतिथि श्री विवेक चार्ल्स ने प्रतिभागियों को शिविर के माध्यम से हिंदी सीखने को प्रेरित किया। इस हिंदी संचेतना शिविर में टेरेसियन कॉलेज के 79 प्रतिभागियों में पंजीकरण करवाया है। हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर मोहन ने संचालन किया। उद्घाटन सत्र के दौरान डॉ. योगेंद्र मिश्र, डॉ. ज्योत्सना, लक्ष्मीनारायण आदि उपस्थित थे।

नवदीक्षित को सांसारिक क्रियाओं का त्याग कर पांच महाव्रतों को धारण करना चाहिए : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

अक्कीपेट संघ के तत्वावधान में हुई साध्वी अक्षयनिधिश्री की बड़ी दीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान गोड़वाड़ भवन में नवदीक्षित साध्वीश्री अक्षयनिधिश्रीजी की बड़ी दीक्षा हुई। उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी म.सा. ने बड़ी दीक्षा प्रदान करते हुए दशवैकालिक सूत्र के माध्यम से कहा कि आज के बाद नव दीक्षित को संसार के सभी रिश्ते नाते और सांसारिक क्रियाओं का त्याग करके मन वचन और काया को संयमित रखते हुए पांच महाव्रत, पांच समिति, तीन गुप्ती का पालन करते हुए अपने गुरु और गुरुणी की आज्ञानुसार विचरण करना है। साधु को अपना हर कार्य विवेकपूर्वक यतना से करना होता है। साधु को भ्रमर की तरह मधुकरी करते हुए गोचरी लाकर अपनी उदरपूर्ति करना है।

सभा को महासती डॉ दर्शनप्रभाजीजी, डॉ प्रतिभाश्रीजी, आस्थाश्रीजी तथा नव दीक्षित महासती अक्षयनिधिश्रीजी ने भी संबोधित किया। शालिभद्रमुनिजी ने अपने उद्गार व्यक्त किए। अक्कीपेट संघ के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सबका स्वागत किया। नवकार विजय संगीत मंडल कि सदस्याओं ने रेखा देवड़ा के नेतृत्व में मंगलाचरण किया। सत्य बहू मंडल की अनामिका लुंकड़ और कविता श्रीश्रीमाल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। दीक्षा गीत चंदनबाला महिला मंडल की सदस्यों ने दया लुंकड़ के नेतृत्व में प्रस्तुत किया।

लाभार्थी पंचकेसरी बडेरा परिवार कि ओर से प्रकाशचंद बडेरा ने संघ का आभार प्रकट किया। विनोद भुरट ने सभी का धन्यवाद दिया। संघ के उपाध्यक्ष प्रकाशकरण मेहता ने तथा नवयुवक मंडल के अध्यक्ष कमलेश सालेचा के नेतृत्व में सदस्यों ने सभी व्यवस्थाएं संभाली।

पंचदेव मंदिर के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल होंगे बेंगलूरु के अनेक भक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राजस्थान झुंझुनूं में पंचदेव मंदिर में आगामी 16 व 17 अप्रैल को दो दिवसीय विशाल मेले का आयोजन किया जाएंगा। मंदिर की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस आयोजन में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समारोह में शोभायात्रा, विशाल भजन संध्या, नृत्य नाटिकाएं, सामूहिक संगीतमय अमृतवाणी पाठ, लीला मंचन एवं बधाई उत्सव किए जाएंगे। मेले की तैयारियों को लेकर पंचदेव मंदिर परिसर में मंदिर के ट्रस्टी अनिल कुमार मोदी की अध्यक्षता में स्वर्ण जयंती समारोह आयोजन समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें देश भर के अनेक पदाधिकारियों सहित बेंगलूरु के शुभकरण अग्रवाल ने भाग लिया। इस आयोजन में बेंगलूरु के अनेक भक्त शामिल होने की योजना बना रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के आपदा बांधव चैरिटेबल ट्रस्ट एवं कर्नाटक रक्षणा वेदिके के संयुक्त तत्वावधान में चंद्रा लेआउट में आयोजित बेंगलूरुनगर हब्बा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित करते हुए ट्रस्ट के प्रसाद शेट्टी एवं सतीश।

सामायिक आराधना — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में साध्वीश्री मणिप्रभाश्रीजी की प्रेरणा से प्रारंभ रत्नत्रय आराधना सामायिक मंडल द्वारा प्रति गुरुवार को समभाव आराधना स्वरूप पूनिया श्रावक सामायिक का आयोजन किया जाता है जिसमें 23 आराधकों ने भाग लिया। इस आराधना में जैन धर्म से संबंधित ज्ञान दिया जाता है तथा जैनिज्म से जुड़ी सामान्य क्रियाओं को कराया जाता है।

मां की अवेलहना करने वाला कभी सुखी नहीं होता : विनयमुनि खींचन

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर जैन स्थानक में विराजित शिविराचार्यश्री विनयमुनिजी खींचन ने प्रवचन सभा में कहा कि धन-सम्पत्ति सभी जीते जीवन तक ही साथ रहते हैं, मृत्यु आने से पहले ही सभी पारिवारिक जन अपनी अपनी गोटी फिट करने में लग जाते हैं। इस मानव जीवन में मानवों के सम्बंधों-रिश्तों इतनी बड़ी दरारें पड़ रही है। मीठे बोल बोलकर मृत्यु सुधारने की बजाय स्वार्थ सिद्धि में लगे रहते है। संसार की पालनहार मातृ की आसातना करने वाला कभी सुखी नहीं बन सकता है। जो मां का नहीं बना, वो किसी का भी नहीं बन सकता। जैसे तितलियों की तरह क्षणिक रंगीन उड़ाने मानवों को आकर्षित करती है वैसे ही इन्सान इंद्रियों की रंगीन-रमझट में आकर्षित बना, माता-पिता की पग पग पर आसातना कर रहा है। जीवन में सुख चाहने से नहीं, दूसरों को सुख पहुंचाने से सुख मिलता है। फूल में सौरभ होना, उसका गुण है, वैसे ही धनवान को विनयवान बनना ही उसकी सौरभ है। संघ महामंत्री सुरेश धोका ने स्वागत किया। संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

लोकायुक्त पुलिस ने एमयूडीए मामले में अदालत में 11,000 पन्नों की अंतिम रिपोर्ट जमा की

बेंगलूरु। कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने बृहस्पतिवार को एमयूडीए भूखंड आवंटन मामले में अदालत को 11,000 पन्नों की अंतिम रिपोर्ट सौंपी। यह घटनाक्रम कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को लोकायुक्त पुलिस द्वारा दी गई क्लीन चिट के आधिकारिक रूप से सार्वजनिक होने के एक दिन बाद हुआ। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि लोकायुक्त पुलिस ने विशेष अदालत को 11,000 पन्नों की अंतिम रिपोर्ट सौंपी है, जो विशेष रूप से बेंगलूरु में पूर्व और मौजूदा सांसदों/विधायकों से संबंधित आपराधिक मामलों से निपटती है। सिद्दरामय्या पर मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा उनकी पत्नी पार्वती बी एम को 14 भूखंड आवंटित करने में अनियमितताओं के आरोप हैं। सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी, साले बी एम मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू और अन्य को मैसूर स्थित लोकायुक्त पुलिस प्रतिष्ठान द्वारा 27 सितंबर को दर्ज की गई प्राथमिकी में नामजद किया गया था। विशेष अदालत ने इस आशय का आदेश दिया था। देवराजू से स्वामी ने एक जमीन खरीदी थी और इसे पार्वती को उपहार में दिया था। आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर की गई शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बुधवार को स्नेहमयी कृष्णा को भेजे गए नोटिस में लोकायुक्त पुलिस ने कहा था कि उन्होंने जांच की और सबूतों के अभाव में पहले चार आरोपियों के खिलाफ आरोप साबित नहीं हुए हैं और वे अदालत को अंतिम रिपोर्ट सौंप रहे हैं। उसने कहा, यदि शिकायकर्ता को कोई आपत्ति है तो वह इसे नोटिस की तारीख से एक सप्ताह के भीतर विशेष अदालत के मजिस्ट्रेट के समक्ष चुनौती दे सकते हैं।

अपना घर, वित्तीय आजादी आज के युवाओं का प्रमुख लक्ष्य : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अपना घर, उद्यमिता और वित्तीय आजादी भारतीय युवा आबादी के शीर्ष तीन दीर्घकालिक लक्ष्य हैं। एक अध्ययन मे यह बात कही गई है।

'फाइब-मिलेनियल अपग्रेड इंडेक्स' पर आधारित अध्ययन में कहा गया है कि सर्वेक्षण में शामिल 41 प्रतिशत से अधिक युवा आबादी अपना घर रखना चाहती है और उनकी आयु 30 वर्ष से कम है।

इसमें कहा गया है कि एकल महिलाओं ने एकल पुरुषों की तुलना में घर खरीदने की अधिक महत्वाकांक्षा दिखाई।यह अध्ययन महानगरों और गैर-महानगरों के 8,000 व्यक्तियों के बीच किया गया था। उत्तरदाताओं में से अधिकांश (47 प्रतिशत) 30 वर्ष से कम आयु के थे, इसके बाद 30-35 वर्ष की आयु के 26 प्रतिशत, 35-40 वर्ष की आयु के 14 प्रतिशत और 40 वर्ष से अधिक आयु के 13 प्रतिशत उत्तरदाता थे।

सर्वेक्षण में शामिल लगभग 21 प्रतिशत व्यक्तियों का लक्ष्य अपना कारोबार शुरू करना या उसे बढ़ाना है, और 19 प्रतिशत लोग लंबी अवधि में आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनना चाहते हैं।

अध्ययन में पाया गया कि दूसरी ओर, पेशेवर विकास, नया गैजेट या वाहन खरीदना, और व्यक्तिगत सुधार जैसे कि दंत चिकित्सा, नेत्र शल्य चिकित्सा, और फिट होना युवा आबादी के अल्पकालिक लक्ष्यों में सबसे ऊपर हैं।

महानगरों में रहने वाली युवा आबादी बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण बेहतर नौकरी हासिल करने के बारे में अधिक चिंतित हैं। महानगरों के 60 प्रतिशत युवाओं ने इसे एक प्रमुख लक्ष्य बताया है।

फाइब के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अक्षय मेहरोत्रा ने कहा, ''हमारा अध्ययन उनके सामने आने वाली चुनौतियों के साथ-साथ उनकी जीवंत आकांक्षाओं को भी उजागर करता है, जो अनुरूप वित्तीय समाधानों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

CHANGE OF NAME

I, **BHADRESH .S**, S/o M. Shivanna and Sumitra, age 42 years, R/at No. 29, 21st Cross, Muthurayaswamy Layout, Pipeline Road, Sunkadakatte, Bangalore-560 091 do hereby declare that Iam working at 346 Field Regiment, Army No. 15153966H, Rank-HAV, in my Artilery Records (Employee Records) my father's name has been mentioned as **SHIVANNA .M** instead of **M. SHIVANNA**, Date of birth is mentioned as 1-7-1952 instead of 1-1-1943 and my mother's name has been mentioned as **R. SUMITRA** instead of **SUMITRA**, Date of birth is mentioned as 1-7-1954 instead of 1-1-1958, vide affidavit dated 20-02-2025, sworn before Advocate and Notary **S. VENKATASUBBA REDDY** at Bangalore.

वित्त मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

गति कृषि विकास में

केन्द्रीय बजट 2025-2026

समृद्ध अन्नदाता, समृद्ध भारत

किसानों को मिली नई सुविधाएं
बनेंगी विकसित भारत का आधार

पीएम धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत 100 जिलों में उत्पादकता बढ़ाकर 1.7 करोड़ किसानों का विकास

लगभग 7.7 करोड़ मछुआरों, किसानों तथा डेयरी किसानों की मदद के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) की ऋण सीमा बढ़ाकर ₹5 लाख की

भारत के समुद्री क्षेत्र के उद्यमियों और किसानों की मदद के लिए, फ्रोजन फिश पेस्ट पर बेसिक कस्टम ड्यूटी 30% से घटकर 5% और फिश हाइड्रोलाइसेट पर 15% से घटकर 5%

कॉम्प्रहैंसिव रूरल प्रोस्पेरिटी एंड रेसिलिएंस कार्यक्रम के तहत ट्रेनिंग, टेक्नोलॉजी और निवेश द्वारा स्थानीय कृषि और रोजगार बढ़ाएँगे ताकि प्रवास एक विकल्प बने, मजबूरी नहीं (शुरुआत 100 कृषि जिलों से)

स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों और ग्रामीण इलाकों के लोगों की ऋण आवश्यकताओं के लिए 'ग्रामीण क्रेडिट स्कोर' का ढांचा तैयार

दालों, खासकर अरहर, उड़द और मसूर में आत्मनिर्भरता के लिए एक खास मिशन

CBC 15201/13/0011/2425

विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की बौद्धिक व शारीरिक क्षमता के लिए कार्य करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े एवं केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने गुरूवार को अलवर के हल्दीना स्थित राजऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय परिसर में 61.75 करोड रूपये की लागत के द्वितीय चरण के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। राज्यपाल बागडे ने इस दौरान नई शिक्षा नीति के आलोक में अपने पाठ्यक्रमों को समयानुकूल, उपयोगी और अधतन करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का आव्हान किया। उन्होंने महाराजा भर्तृहरि को याद करते हुए उनके लिखें हुए शतक और शिक्षाओं से प्रेरणा लेने पर जोर दिया। उन्होंने बेटियों से कहा कि निडर और बहादुर बनें।

उन्होंने कहा कि अन्याय जहां पर हो वहां सबको मजबूती से उसका विरोध कर सामाजिक मूल्यों को मजबूत करना चाहिए। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता विकास की आवश्यकता जताई।

मत्स्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शील सिन्धु पाण्डेय ने विश्वविद्यालय के विकास कार्यों के बारे मे जानकारी दी।

सरकार ने किरोड़ी लाल मीणा का फोन 'टैप' नहीं किया : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा द्वारा उनका फोन टैप किए जाने के कथित आरोप पर जवाब देते हुए राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में कहा कि मीणा का फोन इंटरसेप्ट (टैप) नहीं किया गया है। सरकार की ओर से गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने सदन में यह जानकारी दी। वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि अगर ऐसा है तो सरकार को अपने मंत्री मीणा के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। विपक्षी कांग्रेस ने इस मुद्दे पर सदन से बहिर्गमन किया। उल्लेखनीय है कि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को व्यवस्था दी थी कि सरकार की ओर से इस मुद्दे पर बृहस्पतिवार को बयान दिया जाएगा। बेढम ने कहा, कुछ दिन पूर्व मीडिया के माध्यम से हमारे मंत्री किरोड़ी लाल मीणा का एक बयान संज्ञान में आया। इसमें उनके मोबाइल फोन को सर्विलांस पर रखे जाने की बात है। विपक्ष ने इस बिंदु पर सरकार द्वारा स्थिति स्पष्ट करने की बात की। जबकि स्वयं मीणा द्वारा इस बात का सार्वजनिक रूप से खंडन किया जा चुका है। उन्होंने कहा, मैं पूरी जिम्मेदारी से इस सदन को आश्वस्त करना चाहूंगा कि वर्तमान सरकार द्वारा किरोड़ी लाल मीणा का फोन इंटरसेप्ट नहीं किया गया है।

उन्होंने फोन टैप इंटरसेप्ट किए जाने की वैधानिक प्रक्रिया की जानकारी भी सदन में दी। इस पर नेता प्रतिपक्ष जूली ने मंत्री के जवाब पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, आपके जवाब से हम संतुष्ट हैं। बात यह आती है कि जब आपके कैबिनेट मंत्री मीणा ने आप पर आरोप लगाए हैं और आपने कहा कि फोन टैप नहीं कर रहे। तो आप उन पर कार्रवाई करेंगे या नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, मेरा आग्रह है कि सरकार ने अगर किरोड़ी लाल मीणा का फोन टैप नहीं किया तो यह आरोप लगाने के लिए मीणा पर कार्रवाई करिए। उन्होंने इस मुद्दे को लेकर बहिर्गमन करने की घोषणा की। जूली जब बोल रहे थे तभी सदन में हंगामा हो गया और दोनों ओर के विधायक बोलने लगे। अध्यक्ष देवनानी ने सदन में तख्ती लहराए जाने के लिए एक मंत्री पर नाराजगी जताई। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने इसके लिए खेद जताया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि फोन टैपिंग के मुद्दे को लेकर सदन की कार्यवाही बाधित करने वाली कांग्रेस अंतरकलह से जूझ रही है इनके पास कोई विजन नहीं है।

साइबर ठगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही हैं

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में साइबर ठगी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि नवाचारों और नई तकनीक के समावेश से साइबर सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया जा रहा है तथा इसके साथ ही विशेष अभियान चलाए गए हैं। वह राज्य विधानसभा में इस बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। बेढम ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में साइबर अपराधियों पर कार्रवाई करने गई पुलिस को पीटने की घटनाएं सामने आई थीं, लेकिन अब सरकार ने साइबर अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए उनके द्वारा साइबर ठगी से अर्जित की गई संपत्तियों को 'पीला पंजा' अभियान चलाकर तोड़ने की कार्रवाई की है।

उन्होंने कहा कि कड़ी कार्रवाइयों के चलते साइबर अपराधी ठगी का धंधा छोड़ने पर मजबूर हुए हैं। प्रश्नकाल में उन्होंने कहा, देश में अलवर, डीग, भरतपुर, जयपुर तथा जोधपुर में सबसे अधिक साइबर अपराध अंकित किये गए हैं। इससे राज्य के अन्य जिले भी प्रभावित हुए हैं। राज्य सरकार द्वारा साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए न केवल साइबर थानों का गठन किया गया है, बल्कि राज्य भर में समय-समय पर विभिन्न अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में गृह राज्य मंत्री ने कहा कि राज्य में साइबर धोखाधड़ी और साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए राज्य स्तर पर पुलिस मुख्यालय में महानिदेशक पुलिस (साइबर अपराध) तथा पुलिस अधीक्षक (साइबर अपराध) के पद स्वीकृत हैं तथा वर्तमान में दोनों अधिकारी कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य में कुल 36 साइबर थानों का गठन किया हुआ है तथा इन थानों में नियमित रूप से साइबर अपराध से संबंधित प्रकरणों को दर्ज कर प्रभावी रूप से कार्य किया जा रहा है।

बाघिन की गतिविधियों के कारण रणथम्भौर में रास्ता बंद

भरतपुर। राजस्थान में सवाई माधोपुर जिले के रणथंभौर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर हनुमान मंदिर के पास बाघिन टी 84 एरोहेड और उसके दो शावकों द्वारा सांभर का शिकार किये जाने के बाद वन विभाग ने गुरुवार को एहतियात के तौर पर श्रद्धालुओं के लिये गणेश मार्ग को पूरी तरह से बंद कर दिया है। वन विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बाघिन परिवार अभी शिकार के आसपास मौजूद है, ऐसे में विभाग द्वारा रणथंभौर दुर्ग की ओर जाने वाले पर्यटकों और त्रिनेत्र गणेश मंदिर के श्रद्धालुओं को गणेश धाम द्वार पर ही रोका जा रहा है। जब तक बाघिन परिवार इस क्षेत्र से दूसरी जगह नहीं चला जाता, तब तक यह प्रतिबंध जारी रहेगा। वन विभाग बाघिन और उसके शावकों की लगातार निगरानी कर रहा है। बाघिन एरोहेड और उसके शावकों की रणथंभौर दुर्ग में अक्सर गतिविधियां बनी रहती हैं। इससे पहले भी करीब चार-पांच बार बाघिन और उसके शावक इस क्षेत्र में पहुंच चुके हैं।

सरकार कर रही है सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए गंभीरता के साथ प्रयास : बाघमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सार्वजनिक निर्माण राज्य मंत्री डा मंजू बाघमार ने गुरूवार को विधानसभा में कहा कि जयपुर के भांखरोटा दुर्घटना में दोनों वाहन चालकों की लापरवाही से हादसा हुआ है लेकिन अन्य सेफगार्ड होने की दशा में यह दुर्घटना टाली जा सकती थी। सार्वजनिक निर्माण राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस तरह की सड़क दुर्घटनाओं के प्रति संवेदनशील है तथा भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो, इसके लिए हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं। विभाग द्वारा ज्वलनशील पदार्थ का परिवहन को सुरक्षित बनाने के लिए तथा इन वाहनों की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मौजूद नियमों की भी समीक्षा की जा रही है।

उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद कार्रवाई करते हुए इस सड़क पर मौजूद 33 अनाधिकृत कट में से 32 कटों को बंद कर दिया गया है। एनएचआई की एक अधिकारी को अन्यत्र स्थानान्तरित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा दुर्घटनाओं को कम करने के लिए आगामी दस साल की कार्ययोजना भी बनाई गई है, जिसके तहत 2030 तक दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत तक कमी लाने तथा वर्ष 2033 तक दुर्घटनाओं में 75 प्रतिशत तक कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पूरी गंभीरता के साथ प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आईटीएस प्रणाली को लागू किया जा रहा है। साथ ही वेब पोर्टल भी शुरू किया गया है। सुरक्षा ऑडिट को अनिवार्य किया गया है। दुर्घटना की दृष्टि से संवेदनशील प्वाइंट्स की पहचान कर यथोचित इंतजाम करने तथा ब्लैक स्पॉट्स को चिह्नित कर उनकी निगरानी और सुधार करने की निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इन प्रयासों का प्रभाव दिखाई देगा और दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

इससे पहले विधायक गुरवीर सिंह के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में सार्वजनिक निर्माण राज्य मंत्री ने कहा कि सरकार की ओर से भाँकरोटा अग्निकांड घटना की विस्तृत जांच के लिए जिला कलक्टर जयपुर द्वारा गत 20 दिसम्बर को संयुक्त जांच दल का गठन किया गया था।

उन्होंने कहा कि संयुक्त जांच दल द्वारा तथ्यात्मक रिपोर्ट 20 जनवरी को परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग को प्रेषित कर दी गई थी। उन्होंने तथ्यात्मक रिपोर्ट की प्रति सदन के पटल पर रखी। उन्होंने सड़क दुर्घटना कम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयास एवं नवाचारों का विवरण भी सदन के पटल पर रखा।

संपर्क पोर्टल 2.0 को जल्द ही लाँच किया जाएगा : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों के जल्द से जल्द निस्तारण की समीक्षा के लिए राज्य के सभी सम्भागीय आयुक्त और जिला कलेक्टर की वीसी के माध्यम से गुरूवार को बैठक ली। बैठक में उन्होंने जिलों के अधिकारियों से संपर्क पोर्टल की वस्तुस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि संपर्क पोर्टल 2.0 को जल्द ही लाँच किया जाएगा। संपर्क पोर्टल पर जयपुर और जोधपुर के परिवादों की संख्या बहुत ज्यादा है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। हालांकि ये जिले काफी बड़े भी हैं इसीलिए इसमें परिवादों के अधिक होने की संभावना रहती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन परिवादों को निस्तारित कर इनकी संख्या में कमी लाने के प्रयास करें।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवादों के समाधान से आमजन में संतुष्टि का स्तर बढ़ना चाहिए। समाधान होने पर परिवादी से फीडबैक लें कि समाधान धरातल पर हुआ या नहीं। जिन प्रकरणों में बजट सीमा या नियम के विरूद्ध होने के कारण परिवादी को राहत नहीं दी जा सकती, ऐसे मामलों में परिवादी को स्पष्ट सूचित किया जाए।

समाधान की समय सीमा भी कम करने के प्रयास किए जाने चाहिए। कोई भी परिवाद 6 महीने से ज्यादा समय तक पोर्टल पर पेंडिंग नहीं रहना चाहिए। निर्धारित समय सीमा का इंतजार न करते हुए पेंडिंग कार्य को जल्द से जल्द निपटाए ताकि समय पर आमजन को राहत मिले तथा जिले की रैंकिंग में सुधार हो। उन्होंने कहा कि जिले और विभाग के अधिकारी अपने परिवादों के निस्तारण के लिए समन्वय बढ़ाएं। निस्तारित परिवादों को पोर्टल पर फोटो के साथ अपलोड करने की व्यवस्था भी करें जिससे उसकी प्रमाणिकता बढेगी। सुधांश पंत ने ऐसे विभाग जिससे जनता के रोजमर्रा जीवन प्रभावित होते हैं जैसे जल स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, मेडिकल, राशन और वित्त के परिवादों को साप्ताहिक और प्रमुखता से निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए।

अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता के माध्यम से किया जाए लाभान्वित : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के दौरान राज्य में सहकारी आन्दोलन को अधिक मजबूत बनाने और अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता से जोड़ने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता बढ़नी चाहिए ताकि लोगों का विश्वास सहकारिता में कायम रहे।

सहकारिता मंत्री गुरुवार को नेहरू सहकार भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष से संबंधित प्रदेश की वार्षिक कार्ययोजना एवं कैलेण्डर के विमोचन के बाद राज्य स्तरीय कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रदेश भर से सहकारिता विभाग के अधिकारी-कर्मचारी वीडियो कॉफ्रेंस से माध्यम से शामिल हुए।

दक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है, लेकिन देश में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में वर्ष 2021 से ही कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' के अंतर्गत 54 पहलों के माध्यम से देश में सहकारी सेक्टर सशक्त हो रहा है। जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र का योगदान 40 प्रतिशत हो, इसके लिए सभी को अपनी भूमिका समझते हुए कर्तव्यों का जिम्मेदारी से निर्वहन करना होगा। दक ने कहा कि राज्य सरकार सहकारिता सेक्टर को प्राथमिकता दे रही है। राज्य बजट में सहकारिता से संबंधित कई ऐतिहासिक घोषणाएं की गई हैं, जिनसे प्रदेश में सहकारी आन्दोलन को और गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि बजट मे ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण का दायरा बढ़ाते हुए 35 लाख से अधिक किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये के ऋण वितरित करने की घोषणा की गई है। साथ ही, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना का भी दायरा बढ़ाकर 2.50 लाख गोपालक परिवारों को ब्याज मुक्त ऋण देने की घोषणा की गई है। दक ने कहा कि बजट घोषणा के अनुरूप आगामी 2 वर्षों में 2,500 नई ग्राम सेवा सहकारी समितियां खुलने से प्रदेश में सहकारिता का मजबूत नेटवर्क स्थापित होगा।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रदेश में सहकारी आन्दोलन को मजबूती देने के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों को अपनी भूमिका और जिम्मेदारी समझनी होगी। सभी कार्मिक संकल्प लें कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान ज्यादा उत्साह के साथ काम करते हुए सहकारी आन्दोलन को मजबूत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों के दरवाजे सभी लोगों के लिए खुले होने चाहिए। दक ने नवाचार करने और सहकारी समितियों द्वारा किये जा रहे कार्यों का दायरा बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही, नये को-ऑपरेटिव कोड के माध्यम से खामियों को दूर करने पर भी बल दिया। कार्यक्रम में अतिरिक्त रजिस्ट्रार इन्दर सिंह, संजय पाठक, भोमाराम एवं संदीप खण्डेलवाल ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

मौताणा विवाद में 37 आरोपी हुए नामजद, अब तक सात गिरफ्तार

सिरोही। सिरोही जिले के आबूरोड सदर थाना क्षेत्र के धमासरा ग्राम पंचायत में मौताणा विवाद को लेकर हिंसा भड़क उठी। पुलिस ने मामले में 37 आरोपियों को नामजद किया है, जिनमें से 7 को गिरफ्तार कर लिया गया है। शेष फरार आरोपियों की तलाश जारी है। गत मंगलवार को आरोपियों ने पीड़ित पक्ष के घर पर हमला कर भारी तोड़फोड़ और लूटपाट की। इसके बाद उन्होंने घरों को आग के हवाले कर दिया और मौके से फरार हो गए।

14 जनवरी 2025 को आबूरोड के रोडवेज बस स्टैंड के पास रंजिश के चलते चार युवकों ने कालूराम गरासिया की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद मौताणा (मुआवजा) देने की सहमति बनी थी, लेकिन एक माह बाद भी पीड़ित परिवार को राशि नहीं मिली। इसके चलते आक्रोशित पक्ष ने मंगलवार को हथियारों से लैस होकर हमला कर दिया।

हमलावरों को देखकर पीड़ित परिवार के लोग घर छोड़कर भाग गए। करीब दो घंटे तक उपद्रवियों ने तोड़फोड़ और लूटपाट मचाई। हमलावरों ने 15 बकरे चुरा लिए, जिनमें से दो को मौके पर ही काट दिया।

पांच पक्के मकानों में से दो को आग के हवाले कर दिया गया, जबकि तीन में तोड़फोड़ की गई। पांच झोपड़ियों में से तीन को जला दिया गया। इसके अलावा, हमलावरों ने सोने-चांदी के आभूषण, दो लाख रुपये नकद, दो बाइक, एक साइकिल और एक टीवी को तोड़ दिया। घरों में रखी 15 बोरी गेहूं भी नष्ट कर दी गई। पुलिस ने अब तक सात आरोपी बंकाराम, गोवाराम, मोनाराम, जोगाराम, दिनेश, पप्पुराम और चमन को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बधाई

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने श्रीमती रेखा गुप्ता को पुष्प गुच्छ भेंट कर दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी। इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार दिल्ली के विकास को नई दिशा और गति प्रदान करेगी।

राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के सदस्यों ने सदन से किया बहिर्गमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के तृतीय एवं बजट सत्र में गुरुवार को कृषि मंत्री डा किरोड़ी लाल मीणा के फोन टैप मामले में राज्य सरकार के जवाब के बाद विपक्ष के सदस्यों ने सदन का बहिर्गमन किया। राज्य के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने इस मामले में सदन में जवाब देते हुए कहा कि डा मीणा सहित किसी का भी कोई फोन टैप नहीं किया गया है। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि वे सरकार के जवाब से संतुष्ट हैं लेकिन बात यह है कि एक कैबीनेट मंत्री ने फोन टैप की बात की और सरकार कह रही है कि फोन टैप नहीं हुआ तो ऐसे में क्या सरकार उन पर कोई कार्यवाही करेगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष ने डा मीणा को नोटस भी दिया और नोटिस के जवाब में डा मीणा ने उनके फोन टैप होने के बारे में नकारा नहीं हैं और कहा है कि उन्हें ऐसी बातें सार्वजनिक स्थल पर नहीं कहनी चाहिए। इस दौरान एक मंत्री ने सदन में तख्ती लहरा दी, इस पर जूली ने कहा कि सरकार का मंत्री ही सदन में तख्ती लहरा रहे हैं, यह किस नियम में है, इस पर कुछ देर के लिए जोरदार शोर शराब एवं हंगामा हुआ। इस बीच जूली ने कहा कि सरकार ने जवाब दे दिया है तो डा मीणा पर करे कार्रवाई, फिर डा मीणा का इस्तीफा क्यों नहीं स्वीकार करते।

इसके बाद विपक्ष के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गये। इससे पहले जूली ने कहा कि राज्यपाल अभिभाषण पर उन्हें बोलने नहीं दिया गया तब विधानसभा अध्यक्ष ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि वह चाहते थे कि वह बोले और इसके लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर इसके प्रयास भी किए गए लेकिन इसके लिए वह आगे नहीं आये। इस बीच सत्ता पक्ष के श्रीचंद कृपलानी बोलने लगे। इस पर देवनानी ने उन्हें टोका। इस बीच एक मंत्री सदन में तख्ती दिखाने लगे तब अध्यक्ष ने कहा कि जब कोई मंत्री इस तरह का आचरण करे तो बड़ी पीड़ा होती हैं। इस पर जूली ने कहा कि सरकार का मंत्री सदन में तख्ती लेकर आ रहा हैं। विपक्ष के बहिर्गमन के बाद संसदीय राज्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंत्री के तख्ती दिखाने के मामले में कहा कि वे सदन से माफी चाहते हैं।

गुरुवार को बीबीएमपी मुख्यालय में सुचारू और सुरक्षित सड़कें सुनिश्चित करने के लिए आयोजित 'हमारी सड़क-डिजाइन कार्यशाला' के उद्घाटन, यातायात प्रयोगशाला के शुभारंभ उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने किया। इस मौके पर हमारी सड़क मैनुअल के विमोचन किया गया।

भविष्य के लिए अच्छी योजनाएं जरूरी, अन्यथा बेंगलूरु के साथ अन्याय होगा : उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने आज कहा कि यदि अच्छी सड़कों, फुटपाथों, हरित क्षेत्रों के लिए योजना नहीं बनाई गई तो यह बेंगलूरु के लिए बहुत बड़ा नुकसान होगा। बीबीएमपी द्वारा सड़क निर्माण पर आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा, बेंगलूरु को 2-3 साल में नहीं बदला जा सकता। यहां तक कि भगवान भी ऐसा नहीं कर सकते। इसे तभी बदला जा सकता है जब उचित योजना बनाई जाए और उसे अच्छी तरह से क्रियान्वित किया जा। उन्होंने कहा, यहां जारी की गई सड़कों पर पुस्तिका में पौधे लगाने, खंभे लगाने, मुख्य सड़कों के डिजाइन, छोटी सड़कों के डिजाइन, यातायात अनुशासन, बस स्टैंडों के डिजाइन आदि के लिए दिशानिर्देश दिए गए हैं। हम सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में एकरूपता और मानकीकरण चाहते हैं।

उन्होंने कहा, हमने खुले में लटके सभी केबलों को हटाने का निर्देश दिया है। हमने बीबीएमपी को उन्हें भूमिगत बिछाने या काटने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, हम लोगों की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए नई नीतियां भी ला रहे हैं। इसकी घोषणा फरवरी के अंतिम सप्ताह में की जाएगी। उन्होंने कहा, हम कुछ तकनीकी, वित्तीय और अधिग्रहण संबंधी मुद्दों के कारण सुरंग परियोजनाओं के लिए निविदाएं आमंत्रित नहीं कर पाए हैं।

उन्होंने कहा, अम्बेडकर के संविधान ने हमारे जीवन को आकार दिया है। सड़कों पर यह पुस्तिका बेंगलूरु का भविष्य तय करेगी। हमें सांस्कृतिक प्रतीकों के साथ मेट्रो स्तंभों को सुंदर बनाने जैसे कई सुझाव भी मिले हैं। कुछ स्थानों पर यह पहले ही किया जा चुका है। यह अच्छी खबर है कि छात्र और युवा सुझाव लेकर आगे आ रहे हैं। उन्होंने बेंगलूरु के भविष्य को आकार देने के प्रयास का हिस्सा बनने के लिए स्वेच्छा से आगे आये हैं। आइये हम सब मिलकर बेंगलूरु को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। बेंगलूरु में कन्नड़ भाषा के लुप्त होने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, कन्नड़ गायब नहीं हुई है। मैंने ही कन्नड़ नाम बोर्डों के लिए 60:40 अनुपात का सुझाव दिया था। यदि इस नियम का कोई उल्लंघन होता है तो हम कार्रवाई करेंगे।

इस अवसर पर बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ, डीसीएम सचिव, बीएमआरडीए आयुक्त राजेंद्र चोलन, इंजीनियर-इन-चीफ बी एस प्रहलाद, डब्ल्यूआरआई इंडिया के माधव पई, भारतीय विज्ञान संस्थान के प्रो. आशीष वर्मा, शहरी विशेषज्ञ आर.के. मिश्रा, नरेश नरसिम्हन आदि उपस्थित थे।

नाइजीरियन की हत्या

बेंगलूरु। यहां एक नाइजीरियन मूल के एक व्यक्ति के उसके ही परिचित ने चाकू से हमला कर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार यलहंका के बागलूरु के बेल्लाहल्ली में नाइजीरियन अद्रवाले सिक्रू (51) एक दुकान के सामने अपने एक परिचित यासीन से मुलाकात कर रहा था।

कुछ देर के बाद दोनों में झगड़ा हो जाता है। इसी बीच नाइजीरियन वहां से भाग निकलता है तो यासीन खान उसका पीछा कर तलवार से हमला कर देता है और वहां पड़े एक बड़े पत्थर से उस पर हमला करता है। जिसमें नाइजीरियन की मौत हो जाती है। चश्मदीद ने यह पूरी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने यासीन को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ कर रही है।

रील्स बनाने के चक्कर में तीन युवकों की हुई मौत

बेंगलूरु। यशवंतपुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत तीन युवक की रील्स बनाने के चक्कर में रेल की चपेट में आने मौत हो गई है। उत्तरप्रदेश मूल के तीनों युवक यहां पेंटिंग का कार्य करते थे। यहां दौड्डबल्लापुर में रह रहे थे, बुधवार शाम के समय काम से लौटने के बाद तीनों रेलवे स्टेशन की ओर जा रहे थे। बट्टरहल्ली रेलवे स्टेशन के पास चिक्कनायकनहल्ली में रेलवे लाइन पर जाते समय रील्स बनाने के दौरान उन्हें आती हुई ट्रेन का ध्यान नहीं रहा और तीनों उसकी चपेट में आ गए।

पावरग्रिड POWERGRID

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
दक्षिणी क्षेत्र-II, आरएचक्यू, सिंगानायकनहल्ली, येलहंका होबली, बेंगलुरु-64
ईमेल आईडी : sr2rectt@powergrid.co.in, सीआईएन : L40101DL1989GOI038121

पावरग्रिड दक्षिणी क्षेत्र-II के तहत कर्नाटक एवं तमिलनाडु में टीबीसीबी परियोजना के लिए विद्युत और सिविल विषयों में फील्ड इंजीनियर (सीटीसी: लगभग 8.9 लाख रुपये) और फील्ड सुपरवाइजर (सीटीसी: लगभग 6.8 लाख रुपये) के रूप में संविदात्मक पदों के लिए अनुभवी पेशेवरों को आमंत्रित किया जाता है।
आवेदन प्रक्रिया, पात्रता मानदंड, चयन प्रक्रिया एवं नियुक्ति की शर्तों के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए कृपया www.powergrid.in/sr-ii-recruitment (या) पावरग्रिड वेबसाइट के करियर सेक्शन (www.powergrid.in → करियर अनुभाग → नौकरी के अवसर → रिक्तियां → क्षेत्रीय रिक्तियां → दक्षिणी क्षेत्र-II, बेंगलोर भर्ती) पर जाएं।

पावरग्रिड में ऑनलाइन आवेदन करने की प्रारम्भिक तिथि	21.02.2025
पावरग्रिड में ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि	06.03.2025

विस्तृत जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें एवं आवेदन करें।
पावरग्रिड एक महारत्न पीएसयू
SR-II/PR-15/2024-25/Rectt/Alaknanda

KARNATAKA GOVERNMENT SECRETARIAT
Vidhana Soudha, Bengaluru

No.DPAR 2 SAT 2025 Dated: 19.02.2025

ADVERTISEMENT

Sub: Recruitment to the post of Judicial Member in the Karnataka State Administrative Tribunal.

The State Government is initiating action to fill one post of Judicial Member of the Karnataka State Administrative Tribunal, Belagavi Bench, Belagavi which will be vacant from 04.04.2025.

2. The eligibility criteria for appointment as Judicial Member as stipulated in sub rule 5(b) of Rule 3 of The Tribunal (Conditions of Service) Rules, 2021 is as follows:-
A person shall not be qualified for appointment as Judicial Member, unless he,-
i. is, or has been, a judge of a High Court; or
ii. has held the post of Additional Secretary to the Government of India or any equivalent or higher post in the Department of Legal Affairs or the Legislative Department including Member-Secretary, Law Commission of India; or
iii. has, for a combined period of ten years, been a District Judge and Additional District Judge; or
iv. has, for ten years, been an advocate with substantial experience in litigation in service matters in Central Administrative Tribunal, Armed Forces Tribunal, High Court or Supreme Court.
3. As per Section 3(1) of The Tribunals Reforms Act, 2021 a person who has not completed the age of fifty years shall not be eligible for appointment as a Member of a Tribunal.
4. As per Rule 10 of The Tribunal (Conditions of Service) Rules, 2021 a Member shall be paid a salary of Rs. Two lakh twenty-five thousand per month and as per Rule 11 of the said rules a member shall be entitled to draw allowances and benefits as are admissible to a Government of India officer holding Group 'A' post carrying the same pay.
5. Member shall be entitled to draw allowances as per the said rules; and other terms and conditions of service shall be governed by the provisions of the Tribunals Reforms Act, 2021 and The Tribunal (Conditions of Service) Rules, 2021.
6. As per Section 5(ii) of The Tribunals Reforms Act, 2021 a Member shall hold office for a term of four years or till he attains the age of sixty seven years, whichever is earlier.
7. The Vacancy Circular and PROFORMA of Application and Declaration to be given by the applicant may be downloaded from DPAR Official Website **https://dpar.karnataka.gov.in** The Applications (in two Sets) duly filled alongwith necessary documents (in five sets) shall be submitted to Secretary to Government, Department of Personnel and Administrative Reforms, Room No.246, 2nd Floor, Vidhana Soudha, Bengaluru-560001.
8. The Applications shall be submitted through proper channel (wherever applicable).
9. **Last date for submission of Applications shall be 07.04.2025**
The Administrative Tribunals Act, 1985, The Tribunals Reforms Act, 2021 and The Tribunal (Conditions of Service) Rules, 2021 are also available in the website.

NB:- Before applying it is requested to read thoroughly the Acts and Rules referred above and specific instructions given therein to the applicants.

Sd/-
Member-Secretary

DIPR/CP/SPAN/5207/2024-25

मुडा मामला भाजपा-जेडीएस की राजनीतिक चाल है, यह ज्यादा दिन नहीं चलेगा : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि मुडा मामला भाजपा और जेडीएस की चाल है, यह लंबे समय तक नहीं चलेगा। शिवकुमार ने गुरुवार को सदाशिवनगर स्थित अपने आवास के निकट मीडिया के सवालों का जवाब दिया।

जब उनसे मुडा मामले में लोकायुक्त द्वारा बी रिपोर्ट प्रस्तुत करने और सिद्दरामय्या को क्लीन चिट देने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैंने इस मामले की शुरुआत में ही यह बात कही थी। जब भाजपा और जेडीएस ने बेंगलूरु से मैसूर तक मार्च किया तो मैंने वही कहा जो मुझे कहना था। यह राजनीति से प्रेरित आरोप है। सिद्दरामय्या की भूमिका कैसे उजागर हो सकती है, जब किसी दस्तावेज पर उनके हस्ताक्षर ही नहीं हैं और उनका उससे कोई संबंध भी नहीं है? जिन लोगों ने अपनी संपत्ति खो दी है, उनके लिए

मुआवजे की मांग करना स्वाभाविक है। हम भी आपसे पूछते हैं। उन्होंने दिया है, उन्होंने हमसे कभी भी ऐसी ही जगह पर जमीन देने के लिए नहीं कहा। हालाँकि, अनावश्यक भ्रम से बचने के लिए उन्होंने इन साइटों को वापस कर दिया है। कोई भी मामला दायर करते समय सहायक दस्तावेज़ की आवश्यकता होती है। लोकायुक्त संस्था ने अपना कर्तव्य निभाया है। भाजपा को अपनी लड़ाई खुद लड़ने दीजिए। क्या हम नहीं जानते कि दिल्ली से वकीलों को बुलाकर उनकी दलीलें कैसे पेश की जाएं? यह भाजपा और जेडीएस पार्टियों की चाल है। उन्होंने कहा, यह लंबे समय तक नहीं चलेगा।

जब उनसे भाजपा के इस आरोप के बारे में पूछा गया कि लोकायुक्त संस्था सरकार की इच्छा के आगे झुक रही है, तो उन्होंने कहा, क्या आप जानते हैं कि सर्वोच्च न्यायालय का फैसला क्या है? स्थानीय स्तर पर किसी भी संस्था को कमजोर न करने का निर्देश दिया गया है। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा है कि लोकायुक्त एक स्वायत्त निकाय है। वे अपना काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री कोई भी हो, चाहे बोम्मई मुख्यमंत्री हों, क्या लोकायुक्त पुलिस मुख्यमंत्री की बात सुनेगी? यहां मुख्यमंत्री का कोई हस्तक्षेप नहीं है। यहां जो भी अधिकारी नियुक्त होगा, वह काम लोकायुक्त की अनुमति से ही होगा। उन्होंने कहा, यहां केवल कर्नाटक के ही अधिकारी चुने जाते हैं, राज्य के बाहर के लोग नहीं। जब उनसे विजयेंद्र के इस बयान के बारे में पूछा गया कि सरकारी खजाने में पैसा नहीं है, तो उन्होंने कहा, मैं किसी और समय इसका जवाब दूंगा।

कर्नाटक में 315 करोड़ रुपये का विनिर्माण संयंत्र स्थापित करेगी क्रोन्स, 550 नौकरियों का होगा सृजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलार। जर्मनी की पैकेजिंग व बॉटलिंग मशीन विनिर्माता कंपनी क्रोन्स ने कोलार जिले के वेमागल में 315 करोड़ रुपये की लागत से बॉटलिंग मशीन विनिर्माण संयंत्र की स्थापना शुरू कर दी है।

कर्नाटक के बड़े एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल यहां भूमिपूजन समारोह में शामिल हुए। मंत्री के कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह परियोजना हाल ही में संपन्न वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईएम)-इन्वेस्ट कर्नाटक-2025 के दौरान हस्ताक्षरित 10.27 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों का हिस्सा है। बयान में कहा गया, पाटिल ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार का ध्यान निवेश परियोजनाओं को साकार करने पर है। क्रोन्स का अपना संयंत्र स्थापित करने का निर्णय इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

जीआईएम से पहले, पाटिल ने पिछले साल दिसंबर में जर्मनी में एक प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई करते हुए क्रोन्स के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की थी। पाटिल ने न्यूटौब्लिंग में कंपनी के मुख्यालय में एक प्रारंभिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। कुल 315 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस संयंत्र से 550 नौकरियों का सृजन होगा।

एमवी एनर्जी कर्नाटक में सौर विनिर्माण संयंत्र में 15,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के बड़े और मझोले उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने बृहस्पतिवार को कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) पैनल और मॉड्यूल बनाने वाली कंपनी एमवी एनर्जी ने राज्य में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए चरणबद्ध तरीके से 15,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना की घोषणा की है। उन्होंने यह घोषणा विधान सौधा में कंपनी के वरिष्ठ प्रतिनिधियों से मुलाकात के बाद की।

मंत्री ने कहा कि यह निवेश उन प्रस्तावों का हिस्सा है, जिसके लिए हाल ही में संपन्न वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईएम)-इन्वेस्ट कर्नाटक 2025 के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। मंत्री कार्यालय ने बयान में कहा कि एमवी एनर्जी शुरू में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिसमें पांच गीगावाट बिजली उत्पादन क्षमता वाली एक सुविधा स्थापित की जाएगी, जिससे 10,000 नौकरियां पैदा होंगी।

कंपनी ने इस परियोजना के लिए बेंगलूरु आईटी निवेश क्षेत्र (आईटीआईआर) में 120 एकड़ भूमि का अनुरोध किया है। पाटिल ने कहा कि सरकार उचित विचार-विमर्श के बाद इस अनुरोध को पूरा करेगी। एमवी एनर्जी सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए आवश्यक कलपुर्जों के निर्माण में एक प्रमुख कंपनी है। इन उपकरणों में एल्युमीनियम फ्रेम, ग्लास और वेफर्स आदि शामिल होते हैं। मंत्री ने कहा कि प्रस्तावित संयंत्र हरित ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देकर सतत विकास में योगदान देगा।

KARNATAKA GOVERNMENT SECRETARIAT
Vidhana Soudha, Bengaluru

No.DPAR 40 SAT 2024 Dated: 19.02.2025

ADVERTISEMENT

Sub: Recruitment to the posts of Administrative Members in the Karnataka State Administrative Tribunal.

The State Government is initiating action to fill two posts of 'Administrative Members' in Karnataka State Administrative Tribunal.

2. The eligibility criteria for appointment as 'Administrative Member' as stipulated in Rule 3 of The Tribunal (Conditions of Service) Rules, 2021 is as follows:-
sub rule 5(c): A person shall not be qualified for appointment as Administrative Member, unless he has held the post of Additional Secretary to the Government of India or any other post under the Central Government or a State Government and carrying the scale of pay which is not less than that of an Additional Secretary to the Government of India:
Provided that the officers belonging to the All-India services who were or are on Central deputation to a lower post shall be deemed to have held the post of Additional Secretary from the date such officers were granted proforma promotion or actual promotion whichever is earlier to the level of Additional Secretary and the period spent on Central deputation after such date shall count for qualifying service for the purpose of this clause.
3. As per Section 3(1) of The Tribunals Reforms Act, 2021 a person who has not completed the age of fifty years shall not be eligible for appointment as a Member of a Tribunal.
4. As per Rule 10 of The Tribunal (Conditions of Service) Rules, 2021 a Member shall be paid a salary of Rs. Two lakh twenty-five thousand per month and as per Rule 11 of the said rules a member shall be entitled to draw allowances and benefits as are admissible to a Government of India officer holding Group -A post carrying the same pay.
5. Member shall be eligible for House rent allowance, transport allowance, leave, pension as per the said rules; and other terms and conditions of service shall be governed by the provisions of the Tribunals Reforms Act, 2021 and The Tribunal (Conditions of Service) Rules, 2021.
6. As per Section 5(ii) of The Tribunals Reforms Act, 2021 a Member shall hold office for a term of four years or till he attains the age of sixty seven years, whichever is earlier.
7. The Vacancy Circular and PROFORMA of Application and Declaration to be given by the applicant may be downloaded from DPAR Official Website **https://dpar.karnataka.gov.in** The Applications (in two Sets) duly filled along with necessary documents (in five sets) shall be submitted to Secretary to Government, Department of Personnel and Administrative Reforms, Room No. 246, 2nd Floor, Vidhana Soudha, Bengaluru-560001.
8. The Applications shall be submitted through proper channel (wherever applicable).
9. **Last date for submission of Applications shall be 07.04.2025**
The Administrative Tribunals Act, 1985, The Tribunals Reforms Act, 2021 and The Tribunal (Conditions of Service) Rules, 2021 are also available in the website.

NB:- Before applying it is requested to read thoroughly the Acts and Rules referred above and specific instructions given therein to the applicants.

Sd/-
Member-Secretary

DIPR/CP/SPAN/5206/2024-25

पिछली केंद्र सरकारों ने पूर्वोत्तर की उपेक्षा की : शोभा करंदलाजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/आइजोल। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र की पिछली सरकारों ने पूर्वोत्तर की उपेक्षा की है जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार विकास के मामले में इस क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मिजोरम की दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचीं करंदलाजे ने कहा कि केंद्र की पिछली सरकारों के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों को धन आवंटन बहुत कम था। केंद्रीय मंत्री ने यहां प्रेसवार्ता में दावा किया, अतीत में पूर्वोत्तर आर्थिक रूप से कमजोर था, क्योंकि पिछली केंद्र सरकारों ने इस क्षेत्र पर ध्यान नहीं दिया। इस क्षेत्र को बहुत कम धनराशि आवंटित की गई।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के 10 वर्षों (2004 से 2014) के कार्यकाल में मिजोरम को कर में हिस्सेदारी केवल 4,734 करोड़ रुपये मिली, जो मोदी सरकार के 10 वर्षों के दौरान दिए गए कर हस्तांतरण की तुलना में बहुत कम है। उन्होंने कहा कि 2014-2024 तक के 10 वर्षों के दौरान मोदी सरकार ने मिजोरम को करों में 33,178 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी दी है, जो संप्रग शासन के दौरान कर हिस्सेदारी से 600 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि इस पहाड़ी राज्य के लिए राजग शासन के 10 वर्षों के दौरान अनुदान सहायता भी 94 प्रतिशत बढ़ी है, जबकि संप्रग सरकार के 10 वर्षों के दौरान उसे 21,359 करोड़ रुपये दिए गए थे।

करंदलाजे ने कहा कि नए वित्त वर्ष 2025-2026 के दौरान मिजोरम को केंद्रीय बजट में आवंटित 7,112.23 करोड़ रुपये की कर हिस्सेदारी राशि और 3,853 करोड़ रुपये अनुदान सहायता के रूप में प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि राजग सरकार पूर्वोत्तर को प्राथमिकता देती है और इस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि मिजोरम जल्द ही ब्रॉड गेज रेलवे से जुड़ जाएगा और केंद्र राज्य के एकमात्र लेंगपुई हवाई अड्डे को कार्गो उड़ानों के लिए उन्नत करने के लिए कदम उठा रहा है।

बेंगलूरु के मदरसे में 11 वर्षीय बच्ची को पीटने को लेकर मामला दर्ज, आरोपी गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु स्थित एक मदरसे में 11 वर्षीय एक बच्ची की पिटाई किए जाने के आरोप में मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 16 फरवरी को हेगड़े नगर में हुई यह घटना मदरसे के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई। पीड़िता की मां ने बुधवार को दर्ज कराई गई अपनी शिकायत में कहा कि उसकी बेटी को जुलाई 2024 में पांचवीं कक्षा में मदरसे में दाखिला दिलाया गया था और वह उसके छात्रावास में रहती थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बताया कि छात्रावास के प्रभारी का बेटा मोहम्मद हसन अक्सर छात्रावास आता-जाता था। उसने बताया कि 16 फरवरी को शाम करीब साढ़े चार बजे लड़की को छात्रावास के कार्यालय में बुलाया गया, जहां हसन ने कथित तौर पर चावल गिराने और खेलते समय छात्रावास की अन्य छात्राओं से झगड़ा करने के कारण उसे हाथों से पीटा और उसे लात मारी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोथनूर पुलिस थाने ने किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 115 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दक्षिणी रेल मंडल ने लोको पायलट के शीतल पेय, माउथवॉश इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगाया

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे जोन के तिरुवनंतपुरम मंडल ने कुछ वस्तुओं के सेवन पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिनकी वजह से श्वास परीक्षण के दौरान समस्याएं आती हैं और चालक दल की तैनाती व ट्रेनों का सुचारू संचालन प्रभावित होता है। अठारह फरवरी को मंडल की ओर से जारी विशेष परिपत्र में कहा गया है कि ड्यूटी शुरू होने से पहले और ड्यूटी के दौरान 'ब्रीथ एनालाइजर' द्वारा सांसों के परीक्षण के दौरान अल्कोहल की मात्रा बढ़ी हुई पाई जा रही है और इस तरह की अनुचित घटनाओं के लिए मुख्य रूप से चालक दल द्वारा होम्योपैथिक दवाओं, शीतल पेय, नारियल पानी, कफ सिरप, 'माउथवॉश' आदि का सेवन जिम्मेदार है।

परिपत्र में कहा गया है, सरकार के स्वामित्व वाली रासायनिक परीक्षक प्रयोगशाला में ऐसे मामलों में लिए गए रक्त के नमूनों का विश्लेषण करते समय, लगभग सभी रक्त नमूनों में अल्कोहल की मात्रा शून्य पाई गई। लेकिन सांस में अल्कोहल की मौजूदगी बहुत अधिक पाई जाती है जो सीधे चालक दल के कामकाज को प्रभावित करती है।

सुविचार

आप अपने शब्दों को चाहे जितनी भी समझदारी से बोलिए लेकिन सुनने वाला अपनी योग्यता और अपने मन के विचारों के अनुसार ही उसका मतलब निकालता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वास्थ्य से खिलवाड़ कब तक?

झारखंड सरकार ने राज्य में गुटखा और पान मसाले की बिक्री, भंडारण एवं सेवन पर प्रतिबंध लगाने का फैसला कर नशाखोरी पर प्रहार किया है। हालांकि इस फैसले को लागू करते समय 'दूसरे पहलू' को भी ध्यान में रखना चाहिए। नशाखोरी को रोकना, हतोत्साहित करना बहुत अच्छी पहल है। यह उसी सूरत में कामयाब हो सकती है, जब प्रतिबंध लगाने के बाद सरकारें खूब सतर्कता से काम करें। प्राय: जहां शराबबंदी लागू की जाती है, वहां स्थानीय प्रशासन की सुस्ती और कुछ कर्मचारियों के भ्रष्टाचार के कारण अवैध शराब का धंधा जोर पकड़ने लगता है। इसी तरह गुटखा और पान मसाले के भी कई विकल्प मुहैया कराने वाले लोग सक्रिय हो सकते हैं। गुटखे की लत लगना अन्य मादक पदार्थों की तुलना में कम हानिकारक नहीं है। जो लोग इसके आदी हो जाते हैं, उन्हें यह समय पर न मिले तो वे सुस्ती महसूस करने लगते हैं। कई किशोर और नौजवान सिर्फ इस वजह से गुटखा खाने लगे, क्योंकि उन पर दोस्तों का दबाव था। अगर किसी मित्र मंडली में पांच बच्चे गुटखा खाएं और एक न खाए तो सब उसका मजाक उड़ाने लगते हैं। गुटखा और पान मसाले का बढ़ता चलन सिर्फ झारखंड की समस्या नहीं है। कई राज्यों में लोगों को इन पदार्थों की लत लग चुकी है। इनकी वजह से घरों में झगड़े होते हैं। जहां पिता, चाचा, ताऊ और दादा नशाखोरी करते हैं, वहां छोटे बच्चे इसकी ओर जल्दी आकर्षित होते हैं। राजस्थान के कई गांवों में गुटखे का नशा बहुत ज्यादा फैल चुका है। पहले, पुरुष ही गुटखा खाते थे। अब वहां कई महिलाओं को गुटखे की लत लग गई है।

गुटखा खाने वालों ने इसके पक्ष में बहुत कुतर्क गढ़ रखे हैं- 'इससे पाचन दुरुस्त रहता है, मन हल्का रहता है, कामकाज में फुर्ती आती है!' ये सभी भ्रांतियां हैं। गुटखा एक धीमे जहर की तरह है, जो मुंह के कैंसर समेत कई बीमारियां दे सकता है। जो लोग नियमित गुटखा खाते हैं, उनके दांत खराब हो जाते हैं। रही बात पाचन दुरुस्त करने, मन हल्का रखने और कामकाज में फुर्ती लाने की तो नियमित व्यायाम-प्राणायाम करें, संतुलित और सात्विक भोजन करें, ऋतु के अनुकूल दिनचर्या अपनाएं, एकाग्रचित्त होकर काम करें। इतना कर लेंगे तो गुटखा खाने की नौबत ही नहीं आएगी। लोग यह कहते मिल जाते हैं कि उनके पास धन नहीं था, अन्यथा वे कोई कारोबार करते, कोई हुनर सीखते, उच्च शिक्षा प्राप्त करते। आश्चर्यजनक रूप से उनमें ऐसे लोग भी मिल जाते हैं, जो गुटखा, पान मसाला आदि का नशा करते हैं। अगर वे गुटखे की मात्रा का प्रति किग्रा के आधार पर हिसाब लगाएं तो पता चलेगा कि यह बहुत महंगा नशा है। गुटखा और पान मसाला ही नहीं, खैनी, बीड़ी, सिगरेट समेत आम दुकानों पर मिलने वाली सभी नशीली चीजें बहुत महंगी हैं। कोई अक्लमंद व्यक्ति इन पर खर्च होने वाली राशि को सही जगह निवेश करे या अपना कामकाज शुरू कर दे तो कुछ ही वर्षों में बहुत अच्छी स्थिति में पहुंच सकता है। जब साल 2020 में कोरोना लॉकडाउन लगा था तो लोगों ने पांच रुपए का गुटखा चौगुनी कीमत पर भी खरीद कर खाया था। भले ही परिवार में आर्थिक तंगी रही हो, लेकिन गुटखा बराबर खाएंगे! समाज में इस पदार्थ का इतना प्रसार हो चुका है कि अब कई जगह इसे नशा ही नहीं माना जाता। लोग कहते हैं, 'उनका लड़का बहुत अच्छा है ... सिगरेट, शराब को तो हाथ भी नहीं लगाता। सिर्फ गुटखा खाता है!' गांवों में कई बुजुर्ग 'आजकल के लड़कों' की आदतों और व्यवहार की निंदा करते हैं। वे कहते हैं कि 'लड़के बिगड़ गए, पहले छिपकर गुटखा खाते थे, अब सामने खाने लगे हैं, शर्म तो रही ही नहीं!' यह अलग बात है कि उन बुजुर्गों में से कई लोग हुक्का, चिलम, बीड़ी और खैनी के शौकीन हैं! अच्छी आदतों का संदेश बड़ों के जीवन से आना चाहिए। सरकारें क्रमबद्ध ढंग से हर तरह के नशे पर रोक लगाएं। देश के नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने की इजाजत किसी को नहीं मिलनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

समृद्ध जैव विविधता, हरे-भरे वनों एवं सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध मिजोरम राज्य के स्थापना दिवस पर मिजोरमवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। नैसर्गिक संपदा से परिपूर्ण यह राज्य प्रगति के नए प्रतिमान गढ़े, प्रभु से यही प्रार्थना है।

-भजनलाल शर्मा

गत रात्रि नाहरगढ़ रोड स्थित पुरानी बस्ती में श्री शिवराम वाल्मीकि के पारिवारिक विवाह समारोह में शामिल होने के बाद वहां से लौटते समय पड़ोस में दुकान चलाने वाले श्री विजय सिंह गुर्जर ने स्नेहपूर्वक गाड़ी रुकवाई एवं अपनी दुकान पर आने का निवेदन किया।

-अशोक गहलोत

राजस्थान के बीकानेर निवासी, नेशनल पावरलिफ्टर यष्टिका आचार्य की प्रैक्टिस के दौरान निधन का समाचार अत्यंत दुखद हैं । ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

सफलता का संकल्प

वर्ष 1912 के ओलंपिक खेलों की बात है, जहां जिम थार्प, जो ओक्लाहोमा के एक मूल अमेरिकी थे, अमेरिका का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। जिस दिन उनकी प्रतियोगिता होनी थी, किसी ने उनके जूते चुरा लिए। लेकिन जिम ने हार नहीं मानी। उन्होंने कूड़ेदान में से दो जूते खोजे और वही पहन लिए। इनमें से एक जूता बड़ा था, इसलिए उन्हें अतिरिक्त मोज़ा पहनना पड़ा। इन असमान जूतों को पहनकर भी, जिम ने उस दिन दो स्वर्ण पदक जीते।

घटना हमें याद दिलाती है कि हमें अपने जीवन की परेशानियों को बहाना नहीं बनने देना चाहिए। क्या हुआ अगर ज़िंदगी हमेशा न्यायपूर्ण नहीं रही? आज आप इसके बारे में क्या करने वाले हैं? चाहे सुबह उठते ही आपको कोई कठिनाई मिली होचोरी हुए सामान, खराब सेहत, असफल रिश्ते, या कोई डूबा हुआ व्यापारइन्हें अपने सफर में बाधा मत बनने दें। आपके पास या तो बहाने हो सकते हैं, या फिर परिणाम, लेकिन दोनों एक साथ नहीं।

सामयिक

हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है, संख्यात्मक रूप से सबसे ज्यादा लोग हिन्दी जानते हैं, बोलते हैं। संस्कृति के सबसे निकट भी हिन्दी ही है। सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है।

मातृभाषाएं संवारती हैं संस्कार और संस्कृति

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

मातृभाषा केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपराओं, जीवनमूल्यों और इतिहास को संजोने का एक सशक्त साधन है। यह समाज, संस्कृति एवं राष्ट्र के लिए पहचान का महत्वपूर्ण साधन होती है। शोध बताते हैं कि बच्चे अपनी मातृभाषा में पढ़कर अधिक अच्छी तरह से समझ विकसित करते हैं, वहीं आमजन के लिये संवाद एवं व्यवहार का प्रभावी माध्यम भी यही है। इससे उनकी बौद्धिक क्षमता और रचनात्मकता में वृद्धि होती है।

यूनेस्को ने मातृभाषा के महत्व को समझते हुए मातृभाषा के संरक्षण और बहुभाषी शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हर साल 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की घोषणा 1999 में की और 2000 से इसकी शुरुआत की। इस वर्ष 25वीं वर्षगांठ मनाते हुए इसकी थीम भाषा का महत्व: अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का रजत जयंती समारोह है, जो 2030 तक अधिक समावेशी और टिकाऊ विश्व के निर्माण के लिए भाषाई विविधता पर प्रगति में तेजी लाने की आवश्यकता को रेखांकित करेगा। भाषाई विविधता को बढ़ावा देने, लुप्तप्राय भाषाओं की रक्षा करने और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को प्रदर्शित करने पर जोर दे रहा है। तकनीकी विकास और इंटरनेट के सुरक्षित विस्तार के साथ, यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि स्थानीय और मातृभाषाओं को डिजिटल माध्यमों में कैसे संरक्षित किया जाए। यह दिवस हमें भाषाओं को डिजिटल रूप में संरक्षित करने और अगली पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए प्रेरित करता है।

यूनेस्को का मानना है कि स्थायी समाज के लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता बहुत जरूरी है। शांति के लिए अपने जनादेश के तहत यह संस्कृतियों और भाषाओं में अंतर को बनाए रखने के लिए काम करता है जो दूसरों के लिए सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा देते हैं। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से अस्तित्व में रहते हैं जो पारंपरिक ज्ञान और संस्कृतियों को स्थायी तरीके से प्रसारित और संरक्षित करते हैं। भाषाई विविधता लगातार खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अधिकाधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर 40 प्रतिशत आबादी को उस भाषा में शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा नहीं है जिसे वे बोलते या समझते हैं। फिर भी, बहुभाषी शिक्षा में प्रगति हो रही है, इसके महत्व की समझ बढ़ रही है, खासकर प्रारंभिक स्कूली शिक्षा में, और सार्वजनिक जीवन में इसके विकास के लिए अधिक प्रतिबद्धता है।

मातृभाषा जीवन का आधार है, यह एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन मानव समाज में कई दफा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है। ऐसी ही स्थिति पैदा हुई थी 21 फरवरी 1952 को बांग्लादेश में जब 1947 में भारत के विभाजन के बाद पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में उर्दू को राष्ट्रीय भाषा घोषित कर दिया था। लेकिन इस क्षेत्र में बांग्ला और बंगाली बोलने वालों की अधिकता ज्यादा थी और 1952 में जब अन्य भाषाओं को पूर्वी पाकिस्तान में अमान्य घोषित किया गया तो ढ़ाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने आंदोलन छेड़ दिया। आंदोलन को रोकने के लिए पुलिस ने छात्रों और प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलानी शुरु कर दी जिसमें कई छात्रों की मौत हो गई। अपनी मातृभाषा के हक में लड़ते हुए मारे गए शहीदों की ही याद में मातृभाषा दिवस मनाया जाता है।

विश्व में विगत 40 वर्षों में लगभग डेढ़ सौ से अधिक अध्ययनों के निष्कर्ष हैं कि मातृभाषा में ही शिक्षा होनी चाहिए, क्योंकि बालक को माता के गर्भ से ही मातृभाषा के संस्कार प्राप्त होते हैं। भारतीय वैज्ञानिक सी.वी.श्रीनाथ शास्त्री के अनुभव के अनुसार अंग्रेजी माध्यम से इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त करने वाले की तुलना में भारतीय भाषाओं के माध्यम से पढ़े छात्र, अधिक वैज्ञानिक अनुसंधान करते हैं। भारत में मातृभाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिये नरेन्द्र मोदी सरकार प्रयासरत है। उन्होंने उच्च शिक्षा के स्तर पर भी बहुभाषिकता को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्वीकार किया है। हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है। जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सही एवं सर्वांगीण मायने में विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। इसी मत को भारत के राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र तथा शिक्षा संबंधित सभी आयोगों आदि ने भी माना है।

मातृभाषा को प्रोत्साहन देकर ही भारत सुपर पावर बनने के अपने सपने को साकार कर सकता है। इस महान उद्देश्य को पाने की दिशा में विज्ञान, तकनीक और अकादमिक क्षेत्रों में नवाचार और अनुसंधान करने के अभियान को तीव्रता प्रदान करने के साथ मातृभाषा में शिक्षण को प्राथमिकता देना होगा। मातृभाषा सम्पूर्ण देश में सांस्कृतिक और भावात्मक एकता स्थापित करने का प्रमुख साधन है। भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में भी हिन्दी ने देश को एकजुट करने में सशक्त भूमिका का निर्वहन किया। भारत का परिपक्व लोकतंत्र, प्राचीन सभ्यता, समृद्ध संस्कृति तथा अनूठा संविधान विश्व भर में एक उच्च स्थान रखता है, उसी तरह भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक मातृ भाषाओं को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए। 85 संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के तीन हजार विशेषज्ञों के पीपुल्स लिंग्युस्टिक सर्वे आफ इंडिया (पीएलएसआई) के अध्ययन के अनुसार पिछले 50 वर्षों के दौरान 780 विभिन्न बोलियों वाले देश की 250 भाषाएँ लुप्त हो चुकी हैं। इनमें से 22 अधिसूचित भाषाएं हैं।

जनसंख्या के आंकड़ों के अनुसार 10 हजार से अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली 122 भाषाएं हैं। बाकी 10 हजार से कम लोगों द्वारा बोली जाती है। आयरिश भाषाई विद्वान जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन के बाद पहली बार 1898-1928 के बीच भाषाई सर्वे किया गया है। आजाद भारत में पहली बार किए गए इस पहले सर्वे में चार वर्ष लगे। इस रिपोर्ट के अनुसार भाषाई विविधता की दृष्टि से भारत में अरुणाचल प्रदेश सबसे समृद्ध राज्य है, वहाँ 90 से अधिक भाषाएँ बोली जाती है। इसके बाद महाराष्ट्र और गुजरात का स्थान है, जहाँ 50 से अधिक भाषाएँ बोली जाती है। 47 भाषाओं के साथ ओडिशा चौथे स्थान पर है। इसके विपरीत गोवा में सिर्फ तीन भाषाएं बोली जाती हैं तो दादर और नगर हवेली में एक भाषा 'गोरपा' है, जिसका अब तक कोई रिकार्ड नहीं है। करीब 400 से अधिक भाषाएं आदिवासी और घुमंतू व गैर-अधिसूचित जनजातियाँ बोलती हैं।

हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है, संख्यात्मक रूप से सबसे ज्यादा लोग हिन्दी जानते हैं, बोलते हैं। संस्कृति के सबसे निकट भी हिन्दी ही है। सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है। हिन्दी सभी भाषाओं की बड़ी बहन है इसका यह अर्थ नहीं है कि हम दूसरी भाषाओं को लघुतर मानें। संस्कृत मातृभाषा है और सभी भ्रातृभाषाएं हैं। महात्मा गाँधी ने कहा था, विदेशी माध्यम ने बच्चों की तंत्रिकाओं पर भार डाला है, उन्हें रट्टू बनाया है, वह सृजन के लायक नहीं रहे। विदेशी भाषा ने देशी भाषाओं के विकास को बाधित किया है। इसी संदर्भ में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कलाम के शब्दों का यहां उल्लेख आवश्यक हो जाता है कि मैं अच्छा वैज्ञानिक इसलिए बना, क्योंकि मैंने गणित और विज्ञान की शिक्षा मातृभाषा में प्राप्त की। निश्चित ही सशक्त भारत-विकसित भारत निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए मातृभाषा में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है।

नजरिया

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नईदिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है। देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाकों में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है।

भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से

लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं।

जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो फोर्सेज का ट्रांसमिशन' यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़-भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।

ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी.।14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी। 13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटना हो चुकी है। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस घर लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगल सराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। 10 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुंभ मेला के दौरान रेलवे जंक्शन पर भगदड़ मचने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। 29 सितंबर 2017 के दिन मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन में बने फुटओवर ब्रिज पर भगदड़ मचने के कारण 22 लोगों की मौत हुई थी।

हमारे देश में आए दिन जगह-जगह बड़े-बड़े धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक व अन्य कई प्रकार के आयोजन होते रहते हैं। जिनमें हजारों-लाखों लोग शामिल होते हैं। ऐसे ही कार्यक्रमों में जरा सी लापरवाही भगदड़ का कारण बन सकती है। ऐसे में यदि कार्यक्रम के आयोजक सावधानी बरतते हुए भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम करें तभी किसी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सकता है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन व प्रयागराज के महाकुंभ में भी जो भगदड़ की स्थिति पैदा हुई है उसमें प्रशासनिक चूक रही है। एक स्थान पर अधिक भीड़ इकट्ठी होने पर यदि प्रशासन के अधिकारी सतर्कता बढ़ाते तो ऐसी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता था। आगे भी सरकार को चाहिए कि ऐसे किसी भी बड़े आयोजनों के लिए और अधिक पुख्ता व्यवस्था करें। देश में आपदा राहत बल को भी अधिक सशक्त किया जाये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

यूक्रेन में चुनाव पर जोर देकर यूक्रेन सरकार को अवैध ठहराने के पुतिन के बिछाए जाल में फंस रहे ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेनसिल्वेनिया (अमेरिका)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को 18 फरवरी को सऊदी अरब में हुई उनके देश के भविष्य से संबंधित चर्चा से बाहर रखा गया। इस वार्ता के दौरान न तो कोई यूक्रेनी प्रतिनिधि था और न ही यूरोपीय संघ का कोई प्रतिनिधि था। वार्ता में केवल अमेरिकी एवं रूसी प्रतिनिधिमंडल और उनके सऊदी मेजबान थे।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद यह बैठक हुई। इस बैठक का रूस में हर्षोल्लास से जश्न मनाया गया। यूक्रेन के भविष्य के बारे में निर्णय लेने में उसकी कोई भूमिका न होना, पुतिन की अपने पड़ोसी के प्रति नीति के अनुरूप है। पुतिन लंबे समय से यूक्रेन देश और यूक्रेन सरकार की वैधता को अस्वीकार करते रहे हैं।

हालांकि, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने दोहराया कि भविष्य की चर्चाओं में किसी न किसी स्तर पर यूक्रेन को शामिल करना होगा, लेकिन ट्रंप प्रशासन के कार्यों एवं शब्दों ने कीव की स्थिति और प्रभाव को निस्संदेह कमजोर किया है। अमेरिका जेलेंस्की और यूक्रेन सरकार को अवैध ठहराने की रूस की योजना के अनुरूप तेजी से आगे बढ़ रहा है और शांति समझौते के तहत यूक्रेन में चुनाव कराने की वकालत कर रहा है।

जेलेंस्की की वैधता को चुनौती देना यूक्रेनी नेतृत्व को बदनाम करने, यूक्रेन के लिए उसके प्रमुख सहयोगियों से समर्थन को कमजोर करने और जेलेंस्की एवं संभवतः यूक्रेन को वार्ता में भागीदार के रूप में शामिल नहीं करने के लिए रूस श्ररा जानबूझकर चलाए जा रहे दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा है।

रूसी राष्ट्रपति ने दावा किया है कि उनका देश शांति वार्ता के लिए तैयार है, लेकिन तीन साल से जारी युद्ध के कई पर्यवेक्षकों को उनके इस दावे पर संदेह है, क्योंकि यूक्रेन पर रूस के हमले लगातार जारी हैं और वह अभी तक किसी भी अस्थायी युद्धविराम समझौते पर सहमत नहीं हुआ है।इसके बावजूद, रूस यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि समस्या यह है कि यूक्रेन में ऐसा कोई वैध यूक्रेनी प्राधिकार नहीं है, जिसके साथ वह बात कर सके।

शर्तें तय करना

सऊदी अरब में हुई बैठक में अमेरिका ने किसी भी शांति समझौते के एक महत्वपूर्ण हिस्सा के तहत यूक्रेन में चुनावों पर कथित तौर पर चर्चा की। ट्रंप ने स्वयं 18 फरवरी को संवाददाता सम्मेलन में कहा था, ''हमारे पास ऐसी स्थिति है कि यूक्रेन में चुनाव नहीं हुए हैं। वहां 'मार्शल लॉ' है।''

अमेरिकी राष्ट्रपति ने गलत दावा किया कि जेलेंस्की की स्वीकृति रेटिंग घटकर ''चार प्रतिशत'' रह गई है। ताजा सर्वेक्षण से पता चलता है कि यूक्रेनी राष्ट्रपति की स्वीकृति 'रेटिंग' 57 प्रतिशत है।

मतपेटी का जाल

जेलेंस्की सैद्धांतिक रूप से चुनावों के खिलाफ नहीं हैं और उन्होंने इस बात पर सहमति जताई है कि चुनाव सही समय पर होने चाहिए। जेलेंस्की ने दो जनवरी को एक साक्षात्कार में कहा था, ''मार्शल लॉ खत्म हो जाने के बाद गेंद संसद के पाले में होती है – संसद फिर चुनाव की तारीख तय करती है।''

जेलेंस्की ने चार जनवरी को कहा था कि समस्या समय और परिस्थिति की है। उन्होंने कहा, ''युद्ध के दौरान चुनाव नहीं हो सकते। कानून, संविधान और अन्य चीजों में बदलाव करना जरूरी है। ये महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं, लेकिन कुछ गैर-कानूनी, बहुत मानवीय चुनौतियां भी हैं।''

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेला के दौरान गुरुवार को गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम त्रिवेणी संगम पर श्रद्धालुओं के पहुंचने पर पुलिस कर्मी भीड़ को नियंत्रित करते हुए।

इस बार के सर्दियों के मौसम में माउंट एवरेस्ट का बर्फ का आवरण 150 मीटर तक कम हुआः शोधकर्ता

नई दिल्ली/भाषा। माउंट एवरेस्ट के ऊपरी भाग में बर्फ का आवरण 150 मीटर तक कम हो गया है, जो 2024-2025 में सर्दियों के मौसम के दौरान जमी बर्फ में कमी का संकेत है। शोधकर्ताओं के विश्लेषण के बाद यह जानकारी सामने आई।

अमेरिका के निकोल्स कॉलेज में पर्यावरण विज्ञान के प्रोफेसर और ग्लेशियर का अध्ययन करने वाले 'ग्लेशियोलॉजिस्ट' मौरी पेल्टो ने दो फरवरी को एक ब्लॉग पोस्ट में लिखा, ''अक्टूबर 2023 से जनवरी 2025 की शुरुआत तक अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान संस्था 'नासा' (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) के उपग्रह चित्रों का विश्लेषण करने पर पता चला कि 2024 और 2025 दोनों में जनवरी तक 'हिम रेखा' में वृद्धि की संभावना है।''

'माउंट एवरेस्ट' दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है जिसकी ऊंचाई समुद्र तल से 8,849 मीटर ऊपर मापी गई है। यह धरती पर सबसे ऊंचा स्थान है। हिमालय की चोटी नेपाल और तिब्बत के बीच स्थित है।

'हिम रेखा' उस सीमा या ऊंचाई को दर्शाती है जिस पर बर्फ स्थायी रूप से पहाड़ पर बनी रहती है। बर्फ के पिघलने की प्रक्रिया कम ऊंचाई वाले पहाड़ों पर होती है, लेकिन जब पहाड़ की ऊपरी ढलान पर बर्फ पिघलने लगती है तो यह गर्म जलवायु का संकेत होता है।

पेल्टो ने कहा कि हाल की सर्दियों में गर्म और शुष्क परिस्थितियां बनी हुई हैं। इनमें 2021, 2023, 2024 और 2025 की सर्दियां भी शामिल हैं, जिसके कारण बर्फ का आवरण कम हो रहा है, हिम रेखाएं ऊंची हो रही हैं और जंगल की आग की घटनाएं बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में हर शीत ऋतु के आरंभ में थोड़ी बहुत बर्फबारी होती है, लेकिन बर्फ का आवरण अधिक समय तक नहीं बना रहता जिससे पता चलता है कि माउंट एवरेस्ट पर 6000 मीटर से ऊपर भी ग्लेशियरों का पिघलना जारी है। पेल्टो ने कहा कि सर्दियों के दौरान इतनी ऊंचाइयों पर बर्फ के आवरण का कम होना मुख्य रूप से 'ऊर्ध्वपातन' का परिणाम है, जिसमें बर्फ सीधे सीधे वाष्प में परिवर्तित हो जाती है। इसके कारण प्रतिदिन 2.5 मिलीमीटर बर्फ तक का नुकसान देखा जाता है।

कपिल मिश्रा : प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा, आरएसएस के कटु आलोचक से हिंदुत्व के 'पोस्टरबॉय' तक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सामाजिक कार्यकर्ता से दिल्ली सरकार में मंत्री बने कपिल मिश्रा कभी आम आदमी पार्टी के नेता के तौर पर भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कटु आलोचक माने जाते थे, लेकिन अब वह 'हिंदुत्व के पोस्टरबॉय' के रूप में नई पहचान के साथ उभरे हैं।

बृहस्पतिवार को मिश्रा ने रामलीला मैदान में एक भव्य समारोह में नवगठित दिल्ली सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली कैबिनेट में उनका शामिल होना भाजपा श्ररा राष्ट्रीय राजधानी में अपने शासन दृष्टिकोण को मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

मिश्रा अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करने से पहले एक सामाजिक कार्यकर्ता थे। 44 वर्षीय मिश्रा राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलनों में सक्रिय रूप से शामिल थे। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) के साथ अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की और 2015 में करावल नगर सीट से विधायक चुने गए। मिश्रा ने भाजपा उम्मीदवार और चार बार के विधायक मोहन सिंह बिष्ट को 44,431 मतों के अंतर से हराया था।

आप के संस्थापक सदस्य रहे कवि कुमार विश्वास के करीबी माने जाने वाले मिश्रा को 'आप' संयोजक और तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 2015 में जल संसाधन मंत्री के रूप में अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया था।

मिश्रा दिल्ली विधानसभा के अंदर और बाहर मोदी, भाजपा और आरएसएस पर गंभीर आरोप लगाते थे। मोदी और आरएसएस के खिलाफ बोलते हुए मिश्रा के कई वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। बाद में केजरीवाल और मिश्रा के बीच संबंधों में खटास आने के बाद उन्होंने आप संयोजक के खिलाफ बयानबाजी की। उन्होंने केजरीवाल और उनके एक अन्य मंत्रिमंडलीय सहयोगी सत्येंद्र जैन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए।

मिश्रा को 2017 में मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया था। लेकिन इससे मिश्रा हतोत्साहित नहीं हुए। वह केजरीवाल और आप की आलोचना करते रहे। आप विधायक होने के बावजूद वह भाजपा के कार्यक्रमों में हिस्सा लेते नजर आते थे।

पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण उन्हें 2019 में विधायक के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था। वह 2019 में भाजपा में शामिल हो गए और पार्टी की दिल्ली इकाई के उपाध्यक्ष बनाए गए। उन्होंने मॉडल टाउन से भाजपा के टिकट पर 2020 का विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। मिश्रा धीरे-धीरे मुसलमानों के खिलाफ बोलते हुए भाजपा के 'हिंदुत्व पोस्टरबॉय' बन गए। उन पर 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान नफरत भरे भाषण देने का आरोप है। मिश्रा ने पांच फरवरी को हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप के मनोज कुमार त्यागी को 23,355 मतों के अंतर से हराया था।

प्रयागराज में नई फिल्म की शूटिंग कर रहे अभिषेक बनर्जी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अभिषेक बनर्जी इन दिनों प्रयागराज में अपनी नई फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। यह प्रोजेक्ट फिलहाल गोपनीय रखा गया है। यह फिल्म अभिषेक बनर्जी की उनकी अब तक की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होने की उम्मीद है। हाल ही में अभिषेक को अपनी को-स्टार शहाना गोस्वामी और फिल्म की टीम के साथ शूटिंग करते देखा गया। महाकुंभ के भव्य आयोजन के बीच, पूरी टीम इस आध्यात्मिक माहौल में डूबी नज़र आई।

पूरे शहर में भक्ति और आस्था का माहौल है, और इसी ऊर्जा के बीच अभिषेक अपने किरदार को जीवंत करने में जुटे हैं।

फिल्म की कहानी और बाकी कलाकारों से जुड़ी जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का मानना है कि यह अभिषेक के करियर की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक हो सकती है। अपने अब तक के दमदार और हटकर रोल्स के चलते, उनकी इस नई फिल्म से भी दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं।जब पुष्टि के लिए अभिषेक से संपर्क किया, तो उन्होंने कहा, हां, मैं इस समय एक फिल्म की शूटिंग कर रहा हूं, लेकिन इसके बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं कर सकता। हालांकि, मैं अपने प्रदर्शन में पूरी तरह डूबा हुआ हूँ और प्रयागराज की आध्यात्मिक ऊर्जा को गहराई से महसूस कर रहा हूं।

अभिनेत्री सोनम कपूर मुंबई एयरपोर्ट पर फोटो खिंचवाती हुई।

फिल्म 'जय संतोषी मां' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 22 को जी बाइस्कोप पर

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की बहुप्रतीक्षित पौराणिक फिल्म जय संतोषी मां का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 22 फरवरी को शाम 6 बजे जी बाइस्कोप पर किया जाएगा। फिल्म जय संतोषी मां के निर्माता निशांत उज्ज्वल ने बताया कि यह फिल्म भोजपुरी दर्शकों के लिए एक आध्यात्मिक और भक्तिमय अनुभव होगी। फिल्म का पुनः प्रसारण 23 फरवरी को सुबह 9:30 बजे से किया जाएगा। निशांत उज्ज्वल ने कहा, फिल्म 'जय संतोषी मां' मेरे लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि आस्था और भक्ति से जुड़ी यात्रा है। हमने इसे पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ बनाया है जिससे दर्शकों तक मां संतोषी की महिमा और उनकी कृपा का संदेश पहुंचे। यह फिल्म भक्ति, संगीत और मनोरंजन का अद्भुत संगम है, जो निश्चित रूप से दर्शकों को प्रभावित करेगा। फिल्म में भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अदाकारा रानी चटर्जी और स्मृति सिन्हा, साथ ही जय यादव मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। उनके साथ मनोज टाइगर, रंभा सहनी, नीतिका जायसवाल, प्रियांशु सिंह, परितोष, पूनम, मोहन, रजनीश पाठक, राम सुजान सिंह, नन्हें पांडेय जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। विनय बिहारी भी विशेष भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के निर्माता निशांत उज्ज्वल और धर्मेंद्र मेहरा हैं, जबकि सह निर्माता डॉ. संदीप उज्ज्वल और सुशांत उज्ज्वल हैं। फिल्म की कहानी शमशेर ने लिखी है, जबकि इसके गीतकार प्यारे लाल यादव और चित्रांगदा मिश्रा हैं। फिल्म का संगीत रजनीश मिश्रा और भरत चौहान ने तैयार किया है। कैमरा संचालन मनोज सिंह और कला निर्देशन विनोद बिहारी का है।

'ग्लोरी' के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं पुलकित सम्राट

मुंबई/एजेन्सी

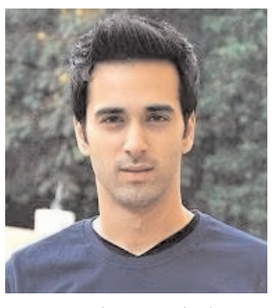

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट अपनी आगामी थ्रिलर सीरीज 'ग्लोरी' के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। पुलकित सम्राट नेटफ्लिक्स की आने वाली हाई-ऑक्टेन थ्रिलर सीरीज 'ग्लोरी' के साथ ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। पुलकित सम्राट हमेशा फिटनेस के लिए समर्पित रहे हैं, अक्सर प्रशंसकों को प्रेरित करने के लिए अपने गहन कसरत सत्रों को साझा करते हैं। जैसे-जैसे वह ग्लोरी के साथ अपने बहुप्रतीक्षित ओटीटी डेब्यू के लिए तैयार हो रहे हैं, उनका प्रशिक्षण और भी कठिन हो गया है। पुलकित,ग्लोरी में एक मुक्केबाज की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे, और भूमिका को मूर्त रूप देने के लिए उनकी प्रतिबद्धता उनकी कसरत दिनचर्या में स्पष्ट है। वर्तमान में पंजाब में ग्लोरी की शूटिंग कर रहे पुलकित की शारीरिक तैयारी जोरों पर है। हाल ही में, उनके प्रशिक्षक ने एक वीडियो साझा किया जिसमें उन्हें ट्रेडमिल पर मुक्केबाजी का अभ्यास करते हुए दिखाया गया है- डम्बल पकड़े हुए घूंसे फेंकना। क्लिप में उनके प्रशिक्षण की तीव्रता पर प्रकाश डाला गया है, जो भूमिका के प्रति उनके समर्पण को साबित करता है। पिछले कुछ हफ्तों से, पुलकित लगातार अपने स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, एंड्यूरेंस ड्रिल और कॉम्बैट वर्कआउट की झलकियाँ पोस्ट कर रहे हैं, जिससे प्रशंसकों को अपने बॉक्सर चरित्र को जीवंत करने के लिए उनकी कड़ी मेहनत पर एक नज़र आती है। एटॉमिक फिल्म्स के बैनर तले मोहित शाह और करण अंशुमन निर्मित, 'ग्लोरी' में पुलकित सम्राट, दिव्येंदु शर्मा और सुविंदर विक्की प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

नब्बे के दशक में बंधक ड्रामा फिल्मों की जान हुआ करती थी : करुणा पांडे

मुंबई/एजेन्सी

सोनी सब के 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में पुष्पा की भूमिका निभा रहीं करुणा पांडे ने कहा कि 90 के दशक में बंधक ड्रामा फिल्मों की जान हुआ करती थी। सोनी सब का लोकप्रिय शो 'पुष्पा इम्पॉसिबल' दर्शकों को प्रेरित करने का सिलसिला जारी रखे हुए है। इस शो की नायिका पुष्पा (करुणा पांडे) एक निडर और मजबूत महिला हैं, जो अपनी हिम्मत और जज़्बे से हर चुनौती का सामना करती हैं। हाल ही के एपिसोड्स में दर्शकों को हल्के-फुल्के और मज़ेदार पल देखने को मिले, जब चाय के ठेले पर वैलेंटाइन डे को लेकर कन्फ्यूजन छा गया। पुष्पा तब अपनी हंसी नहीं रोक पाई, जब जुगल (अंशुल त्रिवेदी) ने खुलासा किया कि उसने और दिलीप (जयेश मोरे) ने अलग-अलग सोचकर पुष्पा को फिल्म दिखाने की योजना बनाई थी। यह खुशहाल माहौल तब अचानक गंभीर मोड़ ले लेता है, जब दिलीप को एक अधिकारी से फोन आता है, जो उसे चेतावनी देता है कि संतोष (अमित श्रीकांत सिंह) जेल से भाग गया है और वह चॉल की तरफ बढ़ सकता है। आने वाले एपिसोड्स में, चॉल में अफरा-तफरी मच जाती है, जब संतोष वहां चुपके से घुसकर दिलीप पर हमला करने की कोशिश करता है, लेकिन पुलिस उसे देख लेती है। अफरा-तफरी के बीच उसकी बंदूक गिर जाती है और वह वहां से भागने में कामयाब हो जाता है। लेकिन यह कहानी यहीं खत्म नहीं होती। नानावटी स्कूल में एक रीयूनियन के दौरान संतोष एक खतरनाक योजना के साथ दोबारा लौटता है। एक इंस्पेक्शन ऑफिसर के भेष में वह मौके का फायदा उठाकर पुष्पा को बंधक बना लेता है, जबकि स्वरा (वृही कोडवारा) और मुन्नी (हंसिका जांगिड) भी वहीं मौजूद होती हैं। इसके बाद एक जबरदस्त टकराव देखने को मिलता है, जहां पुष्पा, दिलीप, जुगल और पुलिस मिलकर संतोष को रोकने और उसे न्याय के कटघरे तक पहुंचाने की कोशिश करते हैं। करुणा पांडे ने कहा, इस कहानी से हम बच्चों की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना चाहते थे। शूटिंग के दौरान मुझे 90 के दशक की वे मशहूर फिल्में याद आ रही थीं, जहां बंधक ड्रामा फिल्मों की जान हुआ करता था। उन फिल्मों में एक जबरदस्त रोमांच और पकड़ थी, और इसी तरह की ऊर्जा को अपने इस सीन में लाने का अनुभव वाकई खास था। इस एपिसोड की सबसे खास बात यह है कि यह भावनाओं को इतनी खूबसूरती से संतुलित करता है।यह आपको अपने हल्के-फुल्के, दिल को छू लेने वाले पलों से जोड़ता है, और फिर अचानक आपको गहरे रोमांच में धकेल देता है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

॥ जय महावीर ॥

॥ जय आत्म-आनन्द-देवेन्द्र-शिव-महेन्द्र ॥ ॥ जय अमर-ज्येष्ठ-तारक-पुष्कर-गणेश गुरूभ्यो नमः ॥ ॥ जय कुसुम-चारित्र ॥

श्रमणी सूर्या, शासन चन्द्रिका, प्रवचन प्रभाविका, स्पष्टवक्ता, उपप्रवर्तिनी, गुरु मां

डॉ श्री दर्शनप्रभाजी म.सा.

50वां स्वर्णिम संयमोत्सव प्रसंगे आत्मीय आमंत्रण

रविवार, 23.2.2025 को प्रातः 9.00 बजे

प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से संयमोत्सव प्रवचन

पावन स्थल : गणेश बाग भगवान महावीर रोड़, बेंगलूरु

**** श्रमणी सूर्या, शासन चन्द्रिका, प्रवचन प्रभाविका उपप्रवर्तिनी डॉ. श्री दर्शनप्रभा जी म.सा. का संक्षिप्त जीवन परिचय ****

* जन्म नाम : सरोज * जन्मतिथि, स्थल : 23.08.1955 चाँदनी चौक, दिल्ली * दीक्षा तिथि एवं दीक्षा प्रदाता : 20.02.1976 ब्यावर, विश्व संत उपाध्याय पू.श्री पुष्करमुनिजी म.सा. * दीक्षित भ्राता : राष्ट्रसंत, दक्षिण सम्राट, घोर तपस्वी, उपप्रवर्तक पू.श्री नरेशमुनिजी म.सा. * दादी गुरूणी व गुरूणी : सद्गुरूवर्या श्री कुसुमवतीजी म.सा. व गुरूणी उपप्रवर्तिनी श्री चारित्रप्रभाजी म.सा.

* **विशेषताएँ :** निरन्तर 45 वर्षों से एकासना तप की आराधना, ऊनी वस्त्रों का त्याग, वैरागी-वैरागनों को तैयार करने में सिद्धहस्त (डॉ.श्री प्रतिभाश्रीजी म.सा., शासन रत्न श्री शालिभद्रजी म.सा. आदि) लगभग 15 बार 32 आगमों का आलोडन/स्वाध्याय। ज्ञान संस्कार शिविर आयोजनों में महारत, शताधिक मंडलों एवं अनेक संघों का गठन, अनेक स्थानकों, चिकित्सा केन्द्रों के निर्माण में मुख्य भूमिका, जिनमें – गुरू पुष्कर आयुर्वेदिक चिकित्सालय-गोगुन्दा, गुरू पुष्कर साधना केन्द्र-उदयपुर, त्रिकमनगर जैन स्थानक-सूरत, उधना यार्ड जैन स्थानक, सूरत, गुरू पुष्कर साधना केन्द्र-पाली, गुरू ज्येष्ठ पुष्कर आराधना भवन-बेंगलोर। करीब 60 हजार किमी. की पदयात्रा, सम्पूर्ण भारत में विचरण, एक दिन में 55 किमी की पदयात्रा, स्थानकवासी, तेरापंथ, मूर्तिपूजक, दिगंबर के अनेक आचार्यों का सान्निध्य प्राप्त।

निर्मल निश्रा :

राष्ट्रसंत, दक्षिण सम्राट, घोर तपस्वी, उपप्रवर्तक पूज्य गुरूदेव **श्री नरेशमुनिजी म.सा.**, शासन रत्न, युवा मनीषी **श्री शालिभद्रजी म.सा.** ठाणा-2
वाणी के जादूगर, आगम ज्ञाता, प्रवचनकार **डॉ समकितमुनिश्री जी म.सा.** आदि ठाणा-3
* तप सुमेरू, शासन सौरभ पू. **श्री चन्दनप्रभाजी म.सा.** * शासन ज्योति, तपोवारिधि पू. **श्री सुप्रभाजी म.सा.**
* जिनशासन चन्द्रिका, दक्षिण दीपिका, चारित्र सौरभ पू. गुरूवर्या **श्री प्रतिभाजी म.सा.**
* प्रखर वक्ता, प्रवचन दक्ष महासती पू. **श्री मेघाश्रीजी म.सा.** * सेवाभावी, शासन गौरव पू. **श्री पुनीतज्योतिजी म.सा.**

21.02.2025 : सेवा दिवस (अन्नदानम्) | **22.02.2025 : तप दिवस एकासन तप** | **23.02.2025 : आध्यात्मिक दिवस 1008 सजोड़े सामायिक**

दि. 20.02.2025 अन्नदान के लाभार्थी : श्रीमान् अशोककुमारजी महेन्द्रकुमारजी रांका परिवार, महेश पाईप्स, बेंगलोर	**दि. 21.02.025 अन्नदान एंव जीवदया क लाभार्थी :** गुप्त दानेश्वरी
दि. 22.02.2025 एकासन दिवस के लाभार्थी : गुरू माँ दर्शन संयम स्वर्ण जयन्ती महोत्सव समिति, बेंगलोर (कर्नाटक)	**दि. 23.02.2025 गौतम प्रसादी एवं प्रभावना के लाभार्थी :** गुरू माँ दर्शन संयम स्वर्ण जयन्ती महोत्सव समिति, बेंगलोर (कर्नाटक)

दि. 23.02.2025 1008 सजोड़े सामायिक की प्रभावना के लाभार्थी : श्री पंचकेसरी बडेरा परिवार, बेंगलोर

गुरू माँ दर्शन संयम स्वर्ण जयंती महोत्सव लाभार्थी परिवार

श्री भीकमचंदजी संतोषकुमारजी संकलेचा	श्री बाबूलालजी अशोककुमारजी पवनकुमारजी रांका	श्री नेमीचन्दजी कमलेशजी तुषारजी सालेचा	श्री अशोककुमारजी महेन्द्रकुमारजी रांका
श्री प्रकाशचंदजी वैभवकुमारजी बुरड़	श्री मीठालालजी भरतकुमारजी निशांतजी भंसाली	श्री दीपचन्दजी महेन्द्रकुमारजी, हितेशकुमारजी भंसाली	श्री महावीरचन्दजी श्रीपालजी सुदर्शनजी मेहता
श्री अभयकुमारजी जिनेंद्रकुमारजी केयांशजी बांठिया	श्री महावीरचन्दजी राजेशकुमारजी मुथा	श्री गुलाबचन्दजी-प्रेमलताजी प्रशांतजी पगारिया	श्री रतनचन्दजी प्रवीणजी सिंघी
श्री दिनेशकुमारजी पोखरणा	श्री राजेशकुमारजी आनंदजी सुरेन्द्रजी गुलेच्छा, धुंधाड़ा	श्री पुखराजजी मुकेशकुमारजी मेहता	श्री सुनीलकुमारजी विनितजी आशीषजी लोढ़ा
श्री पन्नालालजी भरतकुमारजी कोठारी	श्री केवलचन्दजी अंकितजी धीरजी पालरेचा	श्री रोशनलालजी सुरेन्द्रकुमारजी पुखराजजी आंचलिया	श्री महावीरचन्दजी विशालकुमारजी लक्ष्यजी धारीवाल
श्री नेमीचंदजी नितिनजी गौरवजी दलाल	श्री देवीचन्दजी रमेशजी पवनजी भंसाली	श्रीमती संतोषदेवी, चेतनकुमारजी-रश्मि रेदासनी	मातृश्री पुष्पाबाई दिलीपजी बसंतजी चौपड़ा, कानना
श्री मीठालालजी ज्ञानेन्द्रजी मकाना	श्री मीठालालजी राकेशजी भरतजी लुंकड़	श्री सुखवीरचन्दजी जीतेशजी निखिलजी कोठारी	श्री मिश्रीमलजी अजीतकुमारजी नवीनजी कटारिया
श्री शांतिलालजी दिनेशकुमारजी खिंवेसरा	श्री कमलेशजी कुशलजी रक्षितजी छाजेड़	श्री गौतमचन्दजी अशोककुमारजी लुंकड़	श्री वनेचन्दजी रेवंतमलजी नाहर, माणक मेवा
श्री पारसमलजी ज्ञानचन्दजी राकेशजी लोढ़ा	श्री किशोरकुमाजी कुणालजी कुलदीपजी बागरेचा	श्रीमती हुलासीबाई-देवीचन्दजी भुरट, प्रिंस कार्ड	श्री फूलचन्दजी सुमितजी सूरजजी लुंकड़
श्री मूलचन्दजी नरेशकुमारजी सुरेशकुमारजी सहलोत	श्री महावीरचन्दजी मनीषकुमारजी शेलेषकुमारजी लुंकड़	श्री अजयकुमारजी रितेशजी पामेचा	श्री हस्तीमलजी धीरजकुमारजी मयंकजी बाफना
श्री सुरेशकुमारजी नवीनकुमारजी छाजेड़	मेसर्स महावीर मेटल, शा. बाबूलालजी लुंकड़	श्री प्रकाशचन्दजी अशोककुमारजी धोका	श्री प्रवीणकुमारजी कुणालजी नेताणी, समदड़ी
श्री लादूलालजी दिनेशकुमारजी विलक्षणजी ओस्तवाल	श्री महेन्द्रकुमारजी महीपालजी नक्षजी पारख	श्री दिनेशकुमारजी रौनककुमारजी चौपड़ा	मातृश्री मूलबाई जसवंतजी प्रकाशजी गन्ना
मेसर्स बाफना क्लाथिंग कम्पनी प्रा. लिमिटेड	श्री चन्दूलालजी मनोजकुमारजी हेमन्तजी लुंकड़	श्री महेन्द्रकुमारजी मोतीलालजी मेहता	श्रीमती माणिकबाई धनराजजी सियाल, कावेरी इंटर.

कृपया अधिकाधिक संख्या में पधारकर एकासन तप एवं सजोड़े 2-2 सामायिक करने का लक्ष्य रखें। * गुरू माँ के संयमी जीवन की अनुमोदना कर कर्म निर्जरा का भाव रखें।

विशेष : 1. सभी एकासन तप एवं सजोड़े सामायिक आराधना करने वालों को सम्मानित किया जायेगा। 2. बाहर गाँव से पधारने वाले आगन्तुक कृपया अपने आगमन की अग्रिम सूचना देने का कष्ट करें।

आप सभी अधिकाधिक संख्या में पधारकर गुरू भगवंतों के दर्शन-प्रवचन एवं संयम अनुमोदना के साथ जिनशासन की शोभा में अभिवृद्धि करावें।

निवेदक : गुरू माँ दर्शन संयम स्वर्ण जयंती महोत्सव समिति, बेंगलोर (कर्नाटक)

मुख्य मार्गदर्शक : डॉ. भीकमचन्द संकलेचा , पारसमल जिनाणी बागरेचा, पुखराज मेहता

संरक्षक : बाबुलाल रांका, चेतनप्रकाश डुँगरवाल, सम्पतराज माण्डोत, मीठालाल भंसाली

चेयरमेन : महावीरचन्द मुथा

सह-चेयरमेन : उत्तमचन्द रातड़िया

अध्यक्ष : प्रकाशचन्द बुरड़

उपाध्यक्ष : पारसमल सालेचा, पन्नालाल कोठारी, माणकचन्द बडेरा, महावीरचन्द धारीवाल,कल्याणसिंह बुरड़, बाबुलाल लुंकड़, मीठालाल मकाणा, रतनचन्द सिंघी, दीपचन्द भंसाली, छगनमल लुणावत, ललित कानूंगा, शांतिलाल खिंवसरा, मोहनराज अखावत, सुखवीरचन्द कोठारी, महावीरचन्द गुलेच्छा

प्रमुख संयोजक : नेमीचन्द सालेचा, अशोककुमार रांका, महावीरचन्द मेहता

प्रमुख कार्यदर्शी : अभयकुमार बाँठिया

कार्यदर्शी : सुरेन्द्रकुमार आँचलिया, नेमीचन्द दलाल, अशोककुमार धोका, रमेश बोहरा

कोषाध्यक्ष : चेतनकुमार रेदासनी, फूलचन्द लुंकड़, पुखराज आँचलिया, महावीरचन्द लुंकड़

कार्यकारिणी : महेन्द्रकुमार रांका, प्रवीणकुमार नेताणी, दिनेशकुमार चोपड़ा, सुरेन्द्रकुमार गुलेच्छा, राकेशकुमार लुंकड़, पवनकुमार भंसाली, विनोदकुमार भूरट, महेन्द्रकुमार मेहता, रमेशकुमार खाबिया, विकासकुमार कोठारी, राकेशकुमार दलाल, दिनेशकुमार पोकरणा, गौतमचन्द लुंकड़, पी.राजेशकुमार गुलेच्छा, सुनीलकुमार लोढ़ा

सम्पर्क सूत्र: महावीरचन्द मेहता : 94481 21505 अभयकुमार बाँठिया : 93412 18945 **आवास निवास हेतू सम्पर्क :** किशोरकुमार बागरेचा : 98441 50000 प्रवीणकुमार नेतानी : 94482 77654

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com